Kamal.Sandesh
kamalsandesh.org
KamalSandesh

कमल संदेश

वर्ष-20, अंक-19 01-15 अक्टूबर, 2025 ₹20

'प्रधानमंत्री मोदीजी ने 'आत्मनिर्भर व विकसित भारत' के लिए युगांतरकारी कदम उठाये हैं'

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

सशक्त एवं आत्मनिर्भर भारत के शिल्पी

नई दिल्ली में 17 सितंबर, 2025 को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 75वें जन्मदिन के अवसर पर एक प्रदर्शनी का उद्घाटन करते भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा

रोहतक (हरियाणा) में 17 सितंबर, 2025 को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 75वें जन्मदिन के अवसर पर 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत नमो वन में पौधारोपण करते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा

नई दिल्ली में 16 सितंबर, 2025 को 'भाजपा को जानें' पहल के तहत मॉरीशस के प्रधानमंत्री डॉ. नवीनचंद्रन रामगुलाम से भेंट करते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा

नई दिल्ली में 17 सितंबर, 2025 को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर 'सेवा पखवाड़ा' का शुभारंभ करते केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह

शाहाबाद (बिहार) में 18 सितंबर, 2025 को 'कार्यकर्ता संवाद' कार्यक्रम में अभिवादन स्वीकार करते केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह

नई दिल्ली में 25 सितंबर, 2025 को 'सेवा पखवाड़ा' के तहत एक विशेष स्वच्छता अभियान 'एक दिन, एक घंटा, एक साथ' में भाग लेते रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह

कमल संदेश

पाक्षिक पत्रिका

संपादक
डॉ. शिव शक्ति नाथ बक्सी

सह संपादक
संजीव कुमार सिन्हा
राम नयन सिंह

कला संपादक
विकास सैनी
भोला राय

डिजिटल मीडिया
राजीव कुमार
विपुल शर्मा

सदस्यता एवं वितरण
सतीश कुमार

इ-मेल
mail.kamalsandesh@gmail.com
mail@kamalsandesh.com
फोन: 011-23381428, फैक्स: 011-23387887
वेबसाइट: www.kamalsandesh.org

विषय-सूची

06 **प्रधानमंत्री मोदीजी ने 'आत्मनिर्भर व विकसित भारत' के लिए युगांतरकारी कदम उठाये हैं : जगत प्रकाश नड्डा**

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री तथा केंद्रीय रसायन एवं उर्वरक मंत्री...

14 पार्टी का विजन साकार करने हेतु कार्यकर्ताओं से सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 13 सितंबर...

15 एनडीए जितना मजबूत होगा, बिहार उतना ही खुशहाल और समृद्ध होगा : अमित शाह

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने 18 सितंबर, 2025 को बिहार के...

30 अरुणाचल प्रदेश भारत का गौरव है: नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 22 सितंबर को अरुणाचल प्रदेश के ईटानगर में 5,100 करोड़ रुपये से अधिक लागत के विभिन्न...

31 'अब पूर्णिया देश के एविएशन मैप पर आ गया है'

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 15 सितंबर को बिहार के पूर्णिया जिले में लगभग 40,000 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का...

लेख

राष्ट्र जीवन की समस्याएं / **पं. दीनदयाल उपाध्याय** 16

सशक्त और आत्मनिर्भर भारत के शिल्पी मोदीजी / **अमित शाह** 18

एक ऐसा नेता जिसने सरकार को लोगों से जोड़ा / **शिवराज सिंह चौहान** 20

पतन से प्रगति तक: प्रधानमंत्री मोदीजी कैसे गढ़ रहे हैं नया शहरी भारत / **हरदीप सिंह पुरी** 22

मोदीजी का शासन: गुजरात मॉडल से भारतीय मॉडल तक / **मनसुख मांडविया** 24

नरेन्द्र मोदी : सेवा प्रथम भाव से ओतप्रोत नेतृत्व / **शिवप्रकाश** 26

नरेन्द्र मोदी: अंत्योदय के आधुनिक शिल्पकार / **ब्रजेश पाठक** 28

अन्य

वैश्विक नेताओं, पार्टी व गठबंधन सहयोगियों और विपक्षी नेताओं ने दिया शुभकामना संदेश 09

प्रत्येक नागरिक के लिए 'वस्तु और सेवा कर' लाभों की एक नई लहर आ रही है: नरेन्द्र मोदी 11

प्रधानमंत्री का पत्र 13

प्रदेश अंधकार से निकलकर उजाले की ओर बढ़ रहा है: जगत प्रकाश नड्डा 32

प्रधानमंत्री का मिजोरम दौरा 33

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष ने नई दिल्ली में मॉरीशस के प्रधानमंत्री से मुलाकात की 34

प्रकाशक एवं मुद्रक: डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास के लिए विष्णु मित्तल द्वारा मुद्रित एवं प्रकाशित, एच.टी. मीडिया लिमिटेड, प्लॉट नं.-8, उद्योग विहार, ग्रेटर नोएडा (उ.प्र.)-201306 से मुद्रित एवं डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पी.पी.-66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली-110003 से प्रकाशित। संपादक- डॉ. शिव शक्ति नाथ बक्सी

सोशल मीडिया से

नरेन्द्र मोदी

आइए, 'GST बचत उत्सव' के साथ त्योहारों के इस मौसम को नई उमंग और नए जोश से भर दें! GST की नई दरों का मतलब है- हर घर के लिए अधिक से अधिक बचत, साथ ही व्यापार और कारोबार के लिए बड़ी राहत।

(22 सितंबर, 2025)

जगत प्रकाश नड्डा

मोदी सरकार की सभी योजनाएं भारत को आगे बढ़ाने में अत्यंत महत्वपूर्ण साबित हुई हैं। इन सभी योजनाओं का विपक्ष ने मजाक उड़ाया, लेकिन जब हम परिणाम की बात करें तो इनसे भारत में सकारात्मक बदलाव हुए हैं।

(18 सितंबर, 2025)

अमित शाह

देश में 48 प्रतिशत स्टार्टअप महिलाओं द्वारा स्थापित किए गए हैं। जिस देश की मातृशक्ति उद्यमिता से भर जाए, वहां लक्ष्मी को निवास करना ही पड़ता है।

(23 सितंबर, 2025)

राजनाथ सिंह

भारत अपनी बढ़ती तकनीकी और औद्योगिक क्षमता के साथ आज नवाचार का उभरता हुआ केंद्र और ग्लोबल साउथ का विश्वसनीय साझेदार बनकर सामने आया है।

(23 सितंबर, 2025)

बी.एल. संतोष

जैसाकि देश एवं देशवासी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का 75वां जन्मदिन मना रहे हैं, मैं भी करोड़ों देशवासियों के साथ उनके स्वस्थ और दीर्घायु जीवन की कामना करता हूं। उनका जीवन देश के आम लोगों के जीवन में गुणवत्तापूर्ण बदलाव लाने के लिए की जाने वाली कड़ी मेहनत एवं प्रतिबद्धता से भरा रहा है।

(17 सितंबर, 2025)

धर्मेंद्र प्रधान

एनईपी 2020 एक क्रांतिकारी बदलाव लेकर आया है। इसके कार्यान्वयन पर आम सहमति है। भारतीय शिक्षा प्रणाली में अपार गहराई और क्षमता है। हम एक बड़ी छलांग लगाने के लिए तैयार हैं।

(22 सितंबर, 2025)

कमल संदेश परिवार की ओर से
सुधी पाठकों को
विजयदशमी (02 अक्टूबर)
की हार्दिक शुभकामनाएं!

संपादकीय

'विकसित भारत' के सपनों के शिल्पी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

आज जब पूरा राष्ट्र अपने प्रिय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का 75वां जन्मदिवस मना रहा है, उनके 'विकसित भारत' की दृष्टि एवं 'आत्मनिर्भरता' के मंत्र से सारा देश अनुप्राणित हो रहा है। प्रधानसेवक के रूप में उनका नेतृत्व सुदृढ़ राजनैतिक इच्छाशक्ति, अथक परिश्रम, अजेय संकल्प शक्ति के साथ-साथ करिश्मा एवं प्रतिबद्धता का अद्भुत संगम है। पिछले ग्यारह वर्षों से देश ने 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' के सिद्धांतों एवं 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के स्वप्नों को 'विकास भी, विरासत भी' के मार्ग से साकार होते देखा है। साथ ही, 'अमृतकाल' व्यापक एवं सुव्यवस्थित परिवर्तन के एक ऐसे युग के रूप में सामने आया है जो 'विकसित भारत' के पथ को 'पंच प्रण' के माध्यम से प्रशस्त कर रहा है। 'पंच प्रण', पांच ऐसे संकल्प हैं जो राष्ट्रीय चेतना को जागृत करते हुए अभूतपूर्व उपलब्धियों से भरे इस यात्रा को नित नई ऊर्जा दे रहे हैं। देश जो 2014 में निराशा एवं नकारात्मकता के दलदल में डूबा हुआ था, आज न केवल विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है बल्कि आने वाले दिनों में एक लंबी छलांग लगाने के लिए तैयार है। यह प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मजबूत एवं निर्णायक नेतृत्व का ही परिणाम है कि आज विश्व भर में भारत की उपलब्धियों को सराहा एवं स्वीकार किया जा रहा है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछला ग्यारह वर्ष भारतीय राजनीति एवं अर्थव्यवस्था में व्यापक एवं सकारात्मक परिवर्तन का दौर रहा है। यह काल 'अंत्योदय', समाज में खड़े अंतिम व्यक्ति की गरिमा एवं कल्याण से प्रेरित एक नई कार्य-संस्कृति का है। इसका परिणाम यह रहा है कि पीड़ित, वंचित, शोषित एवं समाज के हाशिए पर रह रहे वर्गों के उत्थान तथा महिलाओं एवं युवाओं के लिए असीमित अवसर पैदा हुए हैं। फलतः 25 करोड़ से भी अधिक लोग बहुआयामी गरीबी से बाहर आये हैं। यह जैम त्रिमूर्ति के माध्यम से लाभार्थियों के लिए निर्धारित कल्याण कार्यों में चोरी एवं भ्रष्टाचार पर रोक तथा कल्याणकारी योजनाओं को लक्ष्य आधारित बनाने जैसे अनेक प्रयासों से संभव हुआ है। साथ ही, 80 प्रतिशत से अधिक जनसंख्या को निःशुल्क राशन, बड़ी संख्या में गरीब कल्याण की योजनाएं, किसान, ग्रामीण अर्थव्यवस्था एवं कृषि पर केंद्रित विकास कार्यों से चमत्कारिक परिवर्तन हुआ तथा गरीब से गरीब व्यक्ति का सशक्तीकरण हुआ है। प्रधानमंत्री जी, जो स्वयं एक अत्यंत साधारण परिवार से आते हैं, गरीबी के दर्द को अच्छी तरह से समझते हैं। यही कारण है कि वे गरीबी के दंश को दूर करने में सफल रहे एवं इसके विरुद्ध निर्णायक लड़ाई लड़ रहे हैं। 'विकसित भारत' का उनका मिशन आज हर देशवासी की आकांक्षा एवं संकल्प का प्रतीक बन गया है।

> **अपने अथक प्रयासों एवं दूरदृष्टि से आज प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी अपने स्वयं के उदाहरण से देश को नई दिशा दिखा रहे हैं। हर विकट परिस्थिति में अदम्य साहस के साथ सामने से नेतृत्व करते हुए उन्होंने जनसेवा के लिए अटूट समर्पण दिखाया है तथा जन-जन में आशा एवं विश्वास की नई चेतना जागृत की है**

आज जब 'आत्मनिर्भरता' एवं 'वोकल फॉर लोकल' का मंत्र भारत की विशाल अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण आयाम बन गया है, भारत हर क्षेत्र में नए रिकॉर्ड स्थापित कर रहा है, अपनी सीमाओं को अभेद्य बना रहा है तथा अपने निर्णायक एवं संकल्पशक्ति से परिपूर्ण नेतृत्व के माध्यम से आतंकवाद के विरुद्ध सफलतापूर्वक युद्ध लड़ रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 'वसुधैव कुटुंबकम्' के दर्शन के अनुरूप भारत आज 'विश्वमित्र' के रूप में उभरा है, जिसका उदाहरण कोविड-19 वैश्विक महामारी में देखा गया। अपने अथक प्रयासों एवं दूरदृष्टि से आज प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी अपने स्वयं के उदाहरण से देश को नई दिशा दिखा रहे हैं। हर विकट परिस्थिति में अदम्य साहस के साथ सामने से नेतृत्व करते हुए उन्होंने जनसेवा के लिए अटूट समर्पण दिखाया है तथा जन-जन में आशा एवं विश्वास की नई चेतना जागृत की है। उनके प्रेरणादायी एवं ऊर्जावान नेतृत्व में एक 'नया भारत' अपने विकसित भारत के संकल्प को सिद्ध कर रहा है। 'विकसित भारत' के मंत्रद्रष्टा के रूप में प्रधानमंत्री श्री मोदी सुदृढ़ एवं आत्मनिर्भर भारत के शिल्पी हैं। ■

shivshaktibakshi@kamalsandesh.org

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री मोदीजी को जन्मदिवस की बधाई दी एवं 'सेवा पखवाड़ा' में सहभागिता की

प्रधानमंत्री मोदीजी ने 'आत्मनिर्भर व विकसित भारत' के लिए युगांतरकारी कदम उठाये हैं : जगत प्रकाश नड्डा

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री तथा केंद्रीय रसायन एवं उर्वरक मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा ने विश्व के सबसे लोकप्रिय राजनेता, नये भारत के शिल्पकार, यशस्वी प्रधान सेवक आदरणीय श्री नरेन्द्र मोदी को जन्मदिवस की आत्मीय बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के ध्येय के साथ प्रधानमंत्री मोदीजी ने सभी वर्ग के उत्थान और 'आत्मनिर्भर व विकसित भारत' निर्माण के लक्ष्य को साकार करने की दिशा में कई युगांतरकारी कदम उठाये हैं। आपके दूरदर्शी नेतृत्व में हमारे राष्ट्र की आध्यात्मिक व सांस्कृतिक विरासत को वैश्विक प्रतिष्ठा मिली है। आपका कुशल मार्गदर्शन हम सभी कोटिशः भाजपा कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणापुंज है। उन्होंने ईश्वर से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के उत्तम स्वास्थ्य एवं सुदीर्घ जीवन प्रदान करने की मंगलकामना की। उन्होंने एआई (AI) के माध्यम से भी प्रधानमंत्रीजी के लिए एक ख़ास शुभकामना रील बनाई।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर श्री नड्डा ने 17 सितंबर, 2025 को हरियाणा के रोहतक में महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के टैगोर ऑडिटोरियम में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के करकमलों से शुभारंभ हुए 'स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान' में भाग लिया। यह देशव्यापी पहल महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य और पोषण को नई दिशा देने के उद्देश्य से शुरू की जा रही है। यह अब तक का सबसे बड़ा महिला और बाल स्वास्थ्य जन-आंदोलन है। इसमें पूरे देश में एक लाख से अधिक स्वास्थ्य शिविर लगाए जाएंगे। सभी सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में रोजाना स्वास्थ्य शिविर आयोजित होंगे, जहां महिलाओं की व्यापक स्वास्थ्य जांच की जाएगी। इससे पहले श्री नड्डा ने मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के साथ रोहतक में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पौधारोपण भी किया। श्री नड्डा ने इस कार्यक्रम में कैंसर से जंग जीत चुकी महिलाओं को सम्मानित किया व उन्हें आयुष्मान भारत कार्ड वितरित किए। श्री नड्डा ने महर्षि दयानंद यूनिवर्सिटी, रोहतक के टैगोर ऑडिटोरियम में पार्टी के 'सेवा पखवाड़ा' कार्यक्रम के तहत हेल्थ कैंप का भी उद्घाटन किया। साथ ही, उन्होंने आठवें पोषण माह, प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान IV और स्पेशल इम्यूनाइजेशन वीक (SIW) कार्यक्रमों का भी शुभारंभ किया। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने उपस्थित लोगों के साथ अंगदान करने तथा अपने भोजन में से चीनी और तेल को कम करने का संकल्प लिया। उन्होंने इस माध्यम से देश की जनता को भी स्वस्थ जीवन का संदेश दिया।

शाम में श्री नड्डा ने नई दिल्ली स्थित सेंट्रल पार्क में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जीवन पर आधारित प्रदर्शनी का उद्घाटन किया और अपील की कि लोग सेवा पखवाड़ा (17 सितम्बर से 2 अक्टूबर) में सक्रिय रूप से भाग लें। इस दौरान ब्लड डोनेशन, मेडिकल कैंप, स्वच्छता अभियान और पर्यावरण संरक्षण जैसे कार्यक्रम आयोजित

होंगे। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का जीवन सेवा, राष्ट्र प्रथम की भावना और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को समर्पित है। जनता को मोदीजी के विज़न और योगदान से प्रेरणा लेने की आवश्यकता है।

श्री नड्डा ने नई दिल्ली स्थित सेंट्रल पार्क में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जीवन पर आधारित प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। श्री नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जीवन के 75 वर्षों का प्रत्येक पल सेवा की प्रेरणा से ओतप्रोत और 'राष्ट्र प्रथम' के संकल्प के लिए समर्पित रहा है। उनका ऐसा जीवन संसद के सामने एक आदर्श के रूप में उपस्थित है। प्रधानमंत्रीजी ने न केवल देश को नई दिशा दी है, बल्कि पूरी दुनिया में भारतीय संस्कृति और भारतीय विचारधारा को प्रतिपादित कर उसे यशस्वी बनाने में बहुत बड़ा योगदान दिया है। पिछले 11 वर्षों में भारत के प्रधानमंत्री के रूप में जहां उन्होंने देश को मजबूती प्रदान की है, वहीं वैश्विक स्तर पर भी भारत का कद बढ़ाया है। उनके नेतृत्व में पूरे विश्व ने भारत को पहचाना है और सम्मान दिया है। सेवा ही उनकी प्रेरणा है और 'राष्ट्र प्रथम' उनका संकल्प है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए भारतीय जनता पार्टी ने यह निर्णय लिया है कि सेवा पखवाड़ा उनके जन्मदिन 17 सितम्बर से लेकर बापू की जयंती एवं लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती 2 अक्टूबर तक मनाया जाएगा।

उन्होंने कहा कि आज हम सब 'स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान' के अंतर्गत जुड़े हैं। इसके लिए हजारों स्थानों पर मेडिकल कैंप लगाए गए हैं और स्वास्थ्य विभाग ने आगे आकर महिलाओं के स्वास्थ्य की चिंता को केंद्र में रखा है। यह सेवा पखवाड़ा पूरे 15 दिन चलेगा। इसी तरह अन्य कार्यक्रम भी पार्टी और सरकार ने मिलकर तय किए हैं। 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान पर्यावरण की दृष्टि से आयोजित किया गया है और स्वच्छता अभियान में भी सबकी सहभागिता सुनिश्चित की जा रही है। उन्होंने निवेदन किया कि इस पखवाड़े में सभी लोग अपने दैनिक जीवन से समय निकालकर कम से कम 5 दिन, प्रतिदिन एक घंटा स्वच्छता अभियान में अपना योगदान

अवश्य दें और स्वयं को इससे जोड़ें।

श्री नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने स्पष्ट किया है कि जो कुछ भी भारत में बनता है, जिसमें भारत के लोगों का पसीना और भारत की मिट्टी की खुशबू है, वही सच्चा स्वदेशी है। 2 अक्टूबर को गांधी जयंती के अवसर पर, जिस तरह स्वतंत्रता संग्राम के दौरान लाखों कार्यकर्ताओं ने खादी को अपनाया था, उसी प्रकार आज भी हम सबको अपने जीवन में खादी को शामिल करना चाहिए। उन्होंने आह्वान किया कि 2 अक्टूबर, दशहरा के दिन, सभी लोग खादी के वस्त्र पहनें, खादी की वस्तुएं खरीदें और देश को मजबूत बनाने में अपना योगदान दें।

उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में हम सबका योगदान आवश्यक है। जब हम स्वदेशी की बात करते हैं तो यह ध्यान में रखना चाहिए कि आज हम फाइटर जेट्स, कॉम्बैट प्लेन्स और ब्रह्मोस जैसी मिसाइल प्रणाली बना रहे हैं, जिसकी चर्चा पूरी दुनिया में हो रही है। यह किसी का उदाहरण लेकर नहीं, बल्कि पूर्णतः स्वदेशी दृष्टिकोण से विकसित किया गया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की जीवन यात्रा पर उनके संघर्षों एवं उपलब्धियों को रेखांकित करती कई प्रदर्शनियां देश के कोने-कोने में सार्वजनिक स्थानों पर लगाई जा रही हैं। यह समझना आवश्यक है कि हमें ऐसा नेतृत्व मिला है जिसने देश को आगे बढ़ाने में हर पल योगदान दिया है। प्रधानमंत्री मोदीजी ने अपने विज़न को धरती पर उतारकर दिखाया है और उसी विज़न ने देश को नई दिशा दी है। छोटे बच्चे जो स्कूलों में पढ़ रहे हैं, उन्हें भी यह जानकारी होनी चाहिए कि किस प्रकार हमारे प्रधानमंत्री जी ने देश को एक सशक्त, सुरक्षित और सामर्थ्यवान राष्ट्र बनाया है तथा आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत की ओर ले जाने में अपना योगदान दिया है। यह हम सबके लिए गर्व की बात है।

श्री नड्डा ने निवेदन किया कि सेवा पखवाड़ा में सभी अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें। इस सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत हज़ारों स्थानों पर ब्लड डोनेशन कैंप और मेडिकल कैंप आयोजित किए गए हैं। सभी लोग इसमें शामिल हों और मानवता की इस महान सेवा में अपना योगदान दें। ■

'मेरा देश पहले: द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ श्री नरेन्द्र मोदी' की स्क्रीनिंग

'हमारे प्रधानमंत्रीजी ने केवल भारत का नेतृत्व ही नहीं किया है, बल्कि पूरी मानवता के लिए आवाज़ उठाई है'

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 18 सितंबर, 2025 को नई दिल्ली के इंदिरा गांधी स्टेडियम में आयोजित 'मेरा देश पहलेः द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ श्री नरेन्द्र मोदी' की स्क्रीनिंग में शामिल हुए। कार्यक्रम में भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री श्री सुनील बंसल, दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता, दिल्ली प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री वीरेंद्र सचदेवा, दिल्ली सरकार में कला, संस्कृति एवं भाषा मंत्री श्री कपिल मिश्रा सहित पार्टी के कई वरिष्ठ नेतागण उपस्थित रहे। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जीवन की प्रेरणादायक गाथा को कई अन्य प्रतिष्ठित कलाकारों द्वारा संगीतमय प्रस्तुतियों, भावपूर्ण कथानक और भव्य मंचीय प्रदर्शनों के माध्यम से प्रस्तुत किया गया।

श्री नड्डा ने 'मेरा देश पहलेः द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ श्री नरेन्द्र मोदी' संगीत प्रस्तुति के लेखन व निर्देशन के लिए प्रसिद्ध लेखक एवं गीतकार श्री मनोज मुंतशिर व श्री दीपक गट्टानी जी का धन्यवाद देते हुए कहा कि इस संगीतमय प्रस्तुति में देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जीवन की कई अनकही एवं अनसुनी घटनाओं को समाज के सामने लाने का सराहनीय प्रयास किया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का जीवन सदैव एक ही लक्ष्य 'सेवा ही संकल्प और राष्ट्र प्रथम' के इर्द-गिर्द रहा है और यही इस प्रस्तुति का मूल भाव भी है। उन्होंने कहा कि यह प्रस्तुति केवल एक सांस्कृतिक प्रस्तुति नहीं बल्कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के प्रेरणादायी जीवन और निर्णायक नेतृत्व की प्रेरक यात्रा को जन-जन तक पहुंचाने का एक अभिनव प्रयास है।

उन्होंने कहा कि यह पूरे देश का सौभाग्य है कि हमें श्री नरेन्द्र

मोदी जैसे दूरदर्शी नेता मिले हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी पर गर्व केवल भारतीय जनता पार्टी और उसके कार्यकर्ताओं तक सीमित नहीं है, बल्कि इस देश का हर नागरिक उन पर गर्व करता है। उन्होंने भारत की सांस्कृतिक विरासत और गहन विचारों को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत किया है जिसे विश्व के तमाम देशों के नेताओं ने भी इसे स्वीकार किया है। हमारे प्रधानमंत्रीजी ने केवल भारत का नेतृत्व ही नहीं किया है, बल्कि पूरी मानवता के लिए आवाज़ उठाई है और उसे नई दिशा दी है।

श्री नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जैसी शख्सियत का हमारी पार्टी का नेता होना हम सौभाग्य की बात है। हमें उनके बताए मार्ग पर चलकर इन घटनाओं से प्रेरणा लेनी चाहिए और उस प्रेरणा को आत्मसात करते हुए 'मां भारती' को सशक्त बनाने के लिए अपने-अपने स्तर पर प्रयास करना चाहिए। ■

75 स्थानों पर सेवा पखवाड़े के दौरान 'नमो युवा रन' से भाजयुमो ने रचा इतिहास

भारतीय जनता युवा मोर्चा ने 21 सितंबर, 2025 को इतिहास रच दिया, जब उसने एक साथ देशभर के 75 स्थानों पर आयोजित 'नमो युवा रन–नशा मुक्त भारत के लिए' में सुबह 7 बजे लाखों युवाओं को सफलतापूर्वक जोड़ा। यह पहल स्वतंत्र भारत के सबसे बड़े युवा-प्रेरित फिटनेस और सामाजिक उत्तरदायित्व अभियानों में से एक बनकर उभरा है।

भाजयुमो के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री तेजस्वी सूर्या के नेतृत्व में आयोजित इस दौड़ में गांवों, कस्बों और महानगरों के युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रत्येक स्थल पर वरिष्ठ भाजपा नेताओं, जिनमें केंद्रीय मंत्री, मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री शामिल थे, जिन्होंने दौड़ को हरी झंडी दिखाकर प्रारम्भ किया। मुंबई में श्री सूर्या के नेतृत्व में हजारों युवाओं ने दौड़ में सहभागिता की।

इस अभियान की भव्यता को और बढ़ाते हुए ओडिशा, महाराष्ट्र, हरियाणा, गुजरात, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, गोवा, राजस्थान, त्रिपुरा

और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्रियों ने भी सक्रिय रूप से दौड़ में भाग लिया।

'नमो युवा रन' सेवा पखवाड़े का अभिन्न हिस्सा है, जिसे हर वर्ष प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर मनाया जाता है। ■

वैश्विक नेताओं, पार्टी व गठबंधन सहयोगियों और विपक्षी नेताओं ने दिया शुभकामना संदेश

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को उनके जन्मदिन 17 सितंबर, 2025 पर देश-विदेश से अनगिनत शुभकामनाओं का सिलसिला लगा रहा। वैश्विक नेताओं, पार्टी सहयोगियों, गठबंधन सहयोगियों, विपक्षी नेताओं और हर क्षेत्र के प्रतिष्ठित लोगों ने प्रधानमंत्री को शुभकामनाएं दीं। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने श्री मोदी को उनके जन्मदिन पर बधाई दी। वैश्विक नेताओं में रूसी राष्ट्रपति श्री व्लादिमीर पुतिन, अमेरिकी राष्ट्रपति श्री डोनाल्ड ट्रम्प, इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी, इजरायल के प्रधानमंत्री श्री बेंजामिन नेतन्याहू और कई अन्य वैश्विक नेताओं ने श्री मोदी को शुभकामनाएं दीं। अनगिनत शुभकामनाओं के लिए आभार व्यक्त करते हुए श्री नरेन्द्र मोदी ने 'एक्स' पर कहा, "जन शक्ति का आभार। मैं देश भर और विदेशों से मिली अनगिनत शुभकामनाओं, आशीर्वाद और स्नेह के संदेशों से सचमुच अभिभूत हूं।"

श्री मोदी ने देश में बड़े लक्ष्यों को प्राप्त करने की संस्कृति का संचार किया है: द्रौपदी मुर्मु

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 75वें जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए कहा, "भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदीजी को जन्मदिन की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं। परिश्रम की पराकाष्ठा का उदाहरण प्रस्तुत करते हुए अपने असाधारण नेतृत्व से आपने देश में बड़े लक्ष्यों को प्राप्त करने की संस्कृति का संचार किया है। आज विश्व समुदाय भी आपके मार्गदर्शन में अपना विश्वास प्रकट कर रहा है। मैं ईश्वर से प्रार्थना करती हूं कि आप सदा स्वस्थ और सानंद रहें तथा अपने अद्वितीय नेतृत्व से राष्ट्र को प्रगति के नए शिखरों पर पहुंचाएं।" ■

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने सभी के उत्थान के लिए परिवर्तनकारी कदम उठाए: जगत प्रकाश नड्डा

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा ने कहा, "विश्व के सर्वाधिक लोकप्रिय नेता एवं नए भारत के निर्माता प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदीजी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के मूलमंत्र के साथ मोदीजी ने समाज के सभी वर्गों के उत्थान और एक आत्मनिर्भर एवं विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने की दिशा में अनेक परिवर्तनकारी कदम उठाए हैं।

आपके दूरदर्शी नेतृत्व में देश की आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत को वैश्विक मान्यता मिली है। आपका मार्गदर्शन असंख्य भाजपा कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है। ईश्वर आपको उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु प्रदान करें। शुभकामनाएं!" ■

मोदीजी ने भारत को नई ऊर्जा, नई दिशा दी है: राजनाथ सिंह

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने कहा, "भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदीजी को उनके 75वें जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। अपने दूरदर्शी नेतृत्व, राष्ट्र के प्रति समर्पण और अथक परिश्रम से मोदीजी ने भारत को नई ऊर्जा, नई दिशा दी है। उन्होंने भारत का सामर्थ्य और सम्मान पूरे विश्व पटल पर बढ़ाया है।

उन्होंने अपनी अद्भुत नेतृत्व क्षमता, कल्पनाशीलता के साथ-साथ अपनी संवेदनशीलता का भी परिचय दिया है। गरीब कल्याण और लोक कल्याण के प्रति जो उनकी प्रतिबद्धता है, वह अपने आप में एक मिसाल है।

'विकसित भारत' के संकल्प के साथ मोदीजी देश को आत्मनिर्भरता, विकास और समृद्धि की दृष्टि से मज़बूती दे रहे हैं। ईश्वर से प्रार्थना है कि उन्हें उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु और निरंतर ऊर्जा प्राप्त हो, ताकि वे भारत को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में लगातार सफल सिद्ध हों।" ■

करोड़ों देशवासियों की प्रेरणा हैं प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदीजी: अमित शाह

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने कहा, "त्याग और समर्पण के प्रतीक, करोड़ों देशवासियों की प्रेरणा प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदीजी को 75वें जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। सामाजिक जीवन में पांच दशक से अधिक समय से देशवासियों के कल्याण हेतु बिना रुके, बिना थके अनवरत कार्य करने वाले मोदी जी हर एक देशवासी के लिए 'राष्ट्र प्रथम' की जीवंत प्रेरणा हैं।

संघ से संगठन और सरकार तक मोदी जी की जीवन यात्रा बताती है कि जब निश्चय हिमालय के समान अडिग और दृष्टि समुद्र के समान विशाल हो, तो कितने व्यापक परिवर्तन संभव हैं।

व्यवस्था में शुचिता, निर्णयों में दृढ़ता और नीतियों में स्पष्टता लाने वाले मोदी जी ने शासन के केंद्र में वंचितों, पिछड़ों, गरीबों, महिलाओं और आदिवासियों को लाने का अविस्मरणीय कार्य किया है। करोड़ों देशवासियों के जीवन में अकल्पनीय परिवर्तन लाकर 'विकसित' और 'आत्मनिर्भर भारत' की निर्माण यात्रा से उन्हें जोड़ने वाले मोदीजी पर पूरे देश को गर्व है।" ■

वैश्विक नेताओं का अभिवादन

व्लादिमीर पुतिन, राष्ट्रपति (रूस)

रूसी राष्ट्रपति श्री व्लादिमीर पुतिन ने कहा, "प्रिय प्रधानमंत्री जी, कृपया अपने 75वें जन्मदिन के अवसर पर मेरी हार्दिक बधाई स्वीकार करें। आप हमारे देशों के बीच विशेष रणनीतिक साझेदारी को मज़बूत करने और विभिन्न क्षेत्रों में पारस्परिक रूप से लाभकारी रूसी-भारतीय सहयोग विकसित करने में एक महान व्यक्तिगत योगदान दे रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने सरकार के प्रमुख के रूप में अपने कार्यों के माध्यम से 'अपने देशवासियों का उच्च सम्मान और विश्व मंच पर अपार अधिकार' अर्जित किया है।" ■

डोनाल्ड ट्रम्प, राष्ट्रपति (अमेरिका)

अमेरिकी राष्ट्रपति श्री डोनाल्ड ट्रंप ने प्रधानमंत्री श्री मोदी को अपना 'मित्र' बताते हुए ट्रुथ सोशल पर लिखा, "अभी-अभी अपने 'मित्र' प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी से फ़ोन पर बहुत अच्छी बातचीत हुई। मैंने उन्हें जन्मदिन की ढेर सारी शुभकामनाएं दीं! वे बहुत अच्छा काम कर रहे हैं। नरेन्द्र; रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध समाप्त करने में आपके सहयोग के लिए धन्यवाद!" ■

जियोर्जिया मेलोनी, प्रधानमंत्री (इटली)

"भारतीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को 75वें जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। उनकी शक्ति, उनका दृढ़ संकल्प और लाखों लोगों का नेतृत्व करने की उनकी क्षमता प्रेरणा का स्रोत है। मित्रता और सम्मान के साथ मैं उनके स्वास्थ्य और ऊर्जा की कामना करती हूं, ताकि वे भारत को एक उज्ज्वल भविष्य की ओर ले जा सकें और हमारे राष्ट्रों के बीच संबंधों को और मज़बूत कर सकें।" ■

बेंजामिन नेतन्याहू, प्रधानमंत्री (इजराइल)

"मेरे अच्छे मित्र नरेन्द्र, मैं आपको जन्मदिन की शुभकामनाएं देता हूं। आपने अपने जीवन में भारत के लिए बहुत कुछ किया है और हमने मिलकर भारत और इजराइल की दोस्ती में बहुत कुछ हासिल किया है। मैं जल्द ही आपसे मिलने की आशा करता हूं, ताकि हम अपनी साझेदारी और दोस्ती को और भी ऊंचाइयों पर ले जा सकें। जन्मदिन मुबारक हो, मेरे मित्र।" ■

एंथनी अल्बनीज, प्रधानमंत्री (ऑस्ट्रेलिया)

"मेरे मित्र प्रधानमंत्री मोदी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। ऑस्ट्रेलिया को भारत के साथ इतनी गहरी दोस्ती पर गर्व है और हम ऑस्ट्रेलिया में भारतीय समुदाय के अविश्वसनीय योगदान के लिए प्रतिदिन आभारी हैं। प्रधानमंत्री जी, मैं आपसे जल्द मिलने तथा कई और वर्षों तक हमारी मित्रता व प्रगति की कामना करता हूं।" ■

प्रधानमंत्री श्री मोदी के जन्मदिन पर बुर्ज खलीफा उनकी तस्वीरों से जगमगा उठा

दुबई की प्रतिष्ठित इमारत 'बुर्ज खलीफा' 17 सितंबर, 2025 की रात को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 75वें जन्मदिन के उपलक्ष्य में उनकी तस्वीरों से जगमगा उठा। ■

पुरी तट पर श्री मोदी की 750 कमल के फूलों से सजी बनाई गई एक शानदार रेत मूर्ति

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 75वें जन्मदिन (17 सितंबर, 2025) के अवसर पर प्रसिद्ध रेत कलाकार श्री सुदर्शन पटनायक ने ओडिशा के पुरी तट पर श्री मोदी की 750 कमल के फूलों से सजी एक शानदार रेत मूर्ति बनाई। ■

प्रत्येक नागरिक के लिए 'वस्तु और सेवा कर' लाभों की एक नई लहर आ रही है: नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 21 सितंबर को राष्ट्र को संबोधित किया। शक्ति की उपासना के पर्व नवरात्रि के शुभारंभ पर सभी नागरिकों को हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए उन्होंने कहा कि नवरात्रि के प्रथम दिन से ही राष्ट्र 'आत्मनिर्भर भारत अभियान' की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम आगे बढ़ा रहा है। श्री मोदी ने कहा कि 22 सितंबर को सूर्योदय से ही देश अगली पीढ़ी के वस्तु और सेवा कर (जीएसटी) सुधारों को लागू करेगा। प्रधानमंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि यह पूरे भारत में जीएसटी बचत उत्सव की शुरुआत है। उन्होंने बल देकर कहा कि यह उत्सव बचत को बढ़ाएगा और लोगों के लिए अपनी पसंदीदा वस्तुएं खरीदना आसान बनाएगा। श्री मोदी ने कहा कि इस बचत उत्सव का लाभ गरीब, मध्यम वर्ग, नव मध्यम वर्ग, युवाओं, किसानों, महिलाओं, दुकानदारों, व्यापारियों और उद्यमियों, सभी को समान रूप से मिलेगा

राष्ट्र को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि जीएसटी सुधार भारत की विकास गाथा को गति प्रदान करेंगे, व्यापार संचालन को आसान बनाएंगे, निवेश को अधिक आकर्षक बनाएंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि विकास की दौड़ में प्रत्येक राज्य समान भागीदार बने। यह याद करते हुए कि भारत ने 2017 में जीएसटी सुधार की दिशा में अपना पहला कदम उठाया, जिसने देश के आर्थिक इतिहास में एक पुराने अध्याय की समाप्ति और एक नए अध्याय की शुरुआत की, श्री मोदी ने इस बात पर प्रकाश डाला कि दशकों से नागरिक और व्यापारी करों— चुंगी, प्रवेश कर, बिक्री कर, उत्पाद शुल्क, वैट और सेवा कर - देश भर में दर्जनों शुल्कों के बराबर करों के एक जटिल जाल में उलझे हुए थे।

प्रधानमंत्री ने बताया कि एक शहर से दूसरे शहर में माल परिवहन के लिए कई जांच चौकियों को पार करना, कई फॉर्म भरना और हर स्थान पर अलग-अलग कर नियमों के चक्रव्यूह से गुजरना पड़ता था। श्री मोदी ने 2014 की एक व्यक्तिगत स्मृति साझा की, जब उन्होंने प्रधानमंत्री के रूप में पदभार संभाला, एक विदेशी समाचार पत्र में प्रकाशित एक उल्लेखनीय उदाहरण का उल्लेख किया। लेख में एक कंपनी के सामने आने वाली चुनौतियों का वर्णन किया गया था, जिसे बेंगलुरु से हैदराबाद - मात्र 570 किलोमीटर की दूरी - तक माल भेजना इतना कठिन लगा कि उसने बेंगलुरु से यूरोप और फिर वापस हैदराबाद अपना माल भेजना पसंद किया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि करों और टोल की उलझनों के कारण ऐसी स्थितियां पैदा हुई हैं। श्री मोदी ने दोहराया कि पिछला उदाहरण अनगिनत उदाहरणों में से एक है। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि लाखों कंपनियों और करोड़ों नागरिकों को विभिन्न करों के जटिल जाल के कारण रोज़ाना कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। श्री मोदी ने ज़ोर देकर कहा कि एक शहर से दूसरे शहर तक माल पहुंचाने की बढ़ी हुई लागत अंततः गरीबों को वहन करनी पड़ती है और आम जनता जैसे ग्राहकों से वसूली जाती है।

> **श्री मोदी ने कहा कि सभी राज्यों को एक साथ लाकर स्वतंत्र भारत में इतना बड़ा कर सुधार संभव हो पाया। प्रधानमंत्री ने कहा कि केंद्र और राज्यों के संयुक्त प्रयासों का ही परिणाम था कि देश विभिन्न करों के जाल से मुक्त हुआ और पूरे देश में एक समान व्यवस्था स्थापित हुई। उन्होंने कहा कि 'एक राष्ट्र-एक कर' का सपना साकार हो गया है**

'एक राष्ट्र-एक कर' का सपना हुआ साकार

देश को मौजूदा कर जटिलताओं से मुक्त करना अनिवार्य बताते हुए श्री मोदी ने याद दिलाया कि 2014 में जनादेश प्राप्त करने के बाद सरकार ने लोगों और राष्ट्र के हित में जीएसटी को प्राथमिकता दी थी। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि सभी हितधारकों के साथ व्यापक विचार-विमर्श किया गया, राज्यों द्वारा उठाई गई हर चिंता का समाधान किया गया और हर प्रश्न का समाधान निकाला गया। श्री मोदी ने कहा कि सभी राज्यों को एक साथ लाकर स्वतंत्र भारत में इतना बड़ा कर सुधार संभव हो पाया। प्रधानमंत्री ने कहा कि केंद्र और राज्यों के संयुक्त प्रयासों का ही परिणाम था कि देश विभिन्न करों के जाल से मुक्त हुआ और पूरे देश में एक समान व्यवस्था स्थापित हुई। उन्होंने कहा कि 'एक राष्ट्र-एक कर' का सपना साकार हो गया है।

श्री मोदी ने कहा कि सुधार एक सतत प्रक्रिया है और जैसे-जैसे समय बदलता है और राष्ट्रीय आवश्यकताएं विकसित होती हैं,

अगली पीढ़ी के सुधार भी उतने ही आवश्यक हो जाते हैं। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि देश की वर्तमान आवश्यकताओं और भविष्य की आकांक्षाओं को ध्यान में रखते हुए ये नए जीएसटी सुधार लागू किए जा रहे हैं। श्री मोदी ने इस बात पर प्रकाश डाला कि नए जीएसटी ढांचे के अंतर्गत मुख्य रूप से केवल 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत के कर स्लैब ही रहेंगे। उन्होंने कहा कि इसका मतलब है कि ज़्यादातर रोज़मर्रा की चीज़ें ज़्यादा सस्ती हो जाएंगी।

श्री मोदी ने खाने-पीने की चीज़ें, दवाइयां, साबुन, टूथब्रश, टूथपेस्ट, स्वास्थ्य और जीवन बीमा जैसी कई वस्तुओं और सेवाओं का वर्णन करते हुए कहा कि या तो अधिकतर वस्तुएं कर-मुक्त होंगी या केवल 5 प्रतिशत कर ही लगेगा। प्रधानमंत्री ने आगे बताया कि जिन वस्तुओं पर पहले 12 प्रतिशत कर लगता था, उनमें से 99 प्रतिशत या लगभग सभी वस्तुएं अब 5 प्रतिशत कर दायरे में आ गई हैं।

दोहरा लाभ: पहले आयकर में राहत, अब जीएसटी में कमी

प्रधानमंत्री ने पिछले ग्यारह वर्षों में 25 करोड़ भारतीयों के गरीबी से उबरने और देश की प्रगति में प्रमुख भूमिका निभाने वाले नव-मध्यम वर्ग के एक महत्वपूर्ण वर्ग के रूप में उभरने पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस नव-मध्यम वर्ग की अपनी आकांक्षाएं और सपने हैं। उन्होंने कहा कि इस वर्ष सरकार ने 12 लाख रुपये तक की आय को कर-मुक्त करके आयकर में राहत का तोहफ़ा दिया है, जिससे मध्यम वर्ग के जीवन में काफ़ी आसानी और सुविधा आई है। श्री मोदी ने कहा कि अब गरीबों और नव-मध्यम वर्ग को लाभ मिलने की बारी है। उन्होंने कहा कि उन्हें दोहरा लाभ मिल रहा है— पहले आयकर में राहत के रूप में और अब कम जीएसटी के माध्यम से।

प्रधानमंत्री ने इस बात पर ज़ोर दिया कि जीएसटी की कम दरों से नागरिकों के लिए अपने सपनों को पूरा करना आसान हो जाएगा— चाहे वह घर बनाना हो, टीवी या रेफ्रिजरेटर खरीदना हो, या स्कूटर, बाइक या कार खरीदना हो- अब सब कम खर्च में होगा। उन्होंने कहा कि वे जीएसटी में कटौती का लाभ ग्राहकों तक पहुंचाने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं।

यह रेखांकित करते हुए कि 'नागरिक देवोभव' का मंत्र अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधारों में स्पष्ट रूप से प्रदर्शित होता है, श्री मोदी ने इस बात पर प्रकाश डाला कि जब आयकर राहत और जीएसटी कटौती को मिला दिया जाए, तो पिछले वर्ष में लिए गए निर्णयों से भारत के लोगों को 2.5 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बचत होगी। उन्होंने पुष्टि की कि यही कारण है कि वे इसे 'बचत उत्सव' कहते हैं।

यह रेखांकित करते हुए कि 'नागरिक देवोभव' का मंत्र अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधारों में स्पष्ट रूप से प्रदर्शित होता है, श्री मोदी ने इस बात पर प्रकाश डाला कि जब आयकर राहत और जीएसटी कटौती को मिला दिया जाए, तो पिछले वर्ष में लिए गए निर्णयों से भारत के लोगों को 2.5 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बचत होगी

एमएसएमई पर भारत को आत्मनिर्भर बनाने की एक बड़ी ज़िम्मेदारी

इस बात पर बल देते हुए कि 'विकसित भारत' के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए आत्मनिर्भरता के मार्ग पर अटूट प्रतिबद्धता की आवश्यकता है, श्री मोदी ने कहा कि भारत को आत्मनिर्भर बनाने की एक बड़ी ज़िम्मेदारी एमएसएमई— भारत के सूक्ष्म, लघु और कुटीर उद्योगों पर है। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि जो कुछ भी लोगों की ज़रूरतों को पूरा करता है और देश के भीतर निर्मित किया जा सकता है, उसका उत्पादन घरेलू स्तर पर किया जाना चाहिए।

इस बात पर प्रकाश डालते हुए कि जीएसटी की कम दरें और सरल प्रक्रियाएं भारत के एमएसएमई, लघु उद्योग और कुटीर उद्यमों को महत्वपूर्ण रूप से लाभान्वित करेंगी, श्री मोदी ने कहा कि ये सुधार उनकी बिक्री को बढ़ावा देंगे और उनके कर के बोझ को कम करेंगे, जिसके परिणामस्वरूप दोहरा लाभ होगा।

उन्होंने कहा कि भारत का विनिर्माण और उत्पाद की गुणवत्ता कभी विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त और श्रेष्ठ थी। श्री मोदी ने उस गौरव को पुनः प्राप्त करने की आवश्यकता पर बल दिया। प्रधानमंत्री ने आग्रह किया कि छोटे उद्योगों द्वारा बनाए गए उत्पादों को उच्चतम वैश्विक मानकों को पूरा करना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत के विनिर्माण को गरिमा और उत्कृष्टता के साथ सभी मानदंडों को पार करना चाहिए और भारतीय उत्पादों की गुणवत्ता को देश की वैश्विक पहचान और प्रतिष्ठा को बढ़ाना चाहिए।

श्री मोदी ने कहा कि जिस तरह स्वदेशी के मंत्र ने भारत के स्वतंत्रता संग्राम को सशक्त बनाया, उसी तरह यह राष्ट्र की समृद्धि की यात्रा को भी ऊर्जा प्रदान करेगा। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि कई विदेशी वस्तुएं अनजाने में ही दैनिक जीवन का हिस्सा बन गई हैं और नागरिकों को अक्सर यह भी पता नहीं चलता कि उनकी जेब में रखी कंघी विदेशी है या स्वदेशी। श्री मोदी ने इस निर्भरता से मुक्ति पाने की आवश्यकता पर बल दिया और लोगों से ऐसे उत्पाद खरीदने का आग्रह किया, जो भारत में निर्मित हों और जिनमें देश के युवाओं की कड़ी मेहनत और पसीने की खुशबू हो।

उन्होंने सभी राज्य सरकारों से अपने क्षेत्रों में पूरी ऊर्जा और उत्साह के साथ विनिर्माण को बढ़ावा देकर और निवेश के लिए अनुकूल वातावरण बनाकर 'आत्मनिर्भर भारत' और स्वदेशी अभियानों का सक्रिय रूप से समर्थन करने की अपील की। श्री मोदी ने कहा कि जब केंद्र और राज्य मिलकर आगे बढ़ेंगे, तो आत्मनिर्भर भारत का सपना साकार होगा, हर राज्य का विकास होगा और भारत एक 'विकसित राष्ट्र' बनेगा। ■

प्रधानमंत्री का पत्र

मेरे प्यारे देशवासियों,

नमस्कार।

आपको और आपके परिवार को शक्ति की उपासना के पर्व नवरात्रि की बहुत-बहुत शुभकामनाएं। मेरी प्रार्थना है, ये त्योहार आप सभी के जीवन में सुख और समृद्धि लेकर आए।

इस वर्ष त्योहारों में हमें एक और उपहार मिल रहा है। 22 सितंबर से Next Generation GST Reforms लागू होने के साथ ही पूरे देश में 'GST बचत उत्सव' की शुरुआत हो गई है। इन रिफॉर्म्स से किसान, महिला, युवा, गरीब, मध्यम वर्ग, व्यापारी, लघु उद्योग, कुटीर उद्योग, सभी को फायदा होगा।

नए GST रिफॉर्म्स की विशेषता है कि अब मुख्य रूप से सिर्फ दो ही स्लैब रहेंगे। रोजमर्रा की जरूरी चीजें जैसे खाना, दवाइयां, साबुन, टूथपेस्ट और कई अन्य सामान अब या तो टैक्स-फ्री होंगे या 5% की सबसे कम स्लैब में आएंगे। घर बनाने, गाड़ी खरीदने, बाहर खाने या परिवार के साथ छुट्टियां मनाने जैसे सपनों को पूरा करना अब आसान होगा। हेल्थ इंश्योरेंस पर भी अब GST को शून्य कर दिया गया है।

मुझे ये देखकर अच्छा लगा कि कई दुकानदार और व्यापारी 'पहले और अब' के बोर्ड लगाकर लोगों को बता रहे हैं कि कोई सामान कितना सस्ता हो गया है।

हमारी GST यात्रा 2017 में शुरू हुई थी। तब देश को अनेक तरह के टैक्स और टोल के जंजाल से मुक्ति मिली थी। इससे ग्राहकों और व्यापारियों, कारोबारियों को बहुत राहत मिली थी। अब ये नेक्स्ट जनरेशन GST रिफॉर्म हमें और आगे ले जा रहे हैं। इसमें सिस्टम को और सरल बनाया गया है। इससे हमारे दुकानदार साथियों, लघु उद्योगों की सहूलियत और बढ़ेगी।

'नागरिक देवो भव' हमारा मंत्र है। पिछले 11 वर्षों में हमारे प्रयासों से 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आए हैं। देश में एक नियो मिडिल क्लास तैयार हुआ है। अब इसे और सशक्त बनाया जा रहा है। हमने मध्यम वर्ग को भी मजबूत किया है। 12 लाख रुपए तक की आय पर कोई टैक्स नहीं लिया जा रहा है। अगर इनकम टैक्स में

छूट और नए GST Reforms को मिलाकर देखें, तो देशवासियों के सालाना लगभग 2.5 लाख करोड़ रुपए बचेंगे।

देश ने 2047 तक 'विकसित भारत' का संकल्प लिया है और इसे सिद्ध करने के लिए आत्मनिर्भरता के रास्ते पर चलना जरूरी है। नए GST रिफॉर्म्स से आत्मनिर्भर भारत अभियान को भी तेज गति मिलेगी।

आत्मनिर्भरता के लिए आवश्यक है कि हम स्वदेशी को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं। चाहे ब्रांड कोई भी हो, कंपनी कोई भी हो, अगर उसमें भारतीय श्रमिक और कारीगर की मेहनत लगी है, तो वो स्वदेशी है।

जब भी आप अपने देश के कारीगरों, श्रमिकों और इंडस्ट्री के बनाए सामान को खरीदते हैं, तो आप कई परिवारों की रोजी-रोटी में मदद करते हैं और देश के युवाओं के लिए रोजगार पैदा करते हैं।

मैं अपने दुकानदारों और व्यापारियों से भी अपील करता हूं कि वो स्वदेशी सामान ही बेचें।

आइए गर्व से कहें, ये स्वदेशी है।

आपके घर की बचत बढ़े, आपके सपने पूरे हों, आप अपने पसंद की चीजों के साथ त्योहारों की चमक बढ़ाएं... मेरी यही कामना है। एक बार फिर, मैं आपको नवरात्रि के साथ ही 'GST बचत उत्सव' की शुभकामनाएं देता हूं। धन्यवाद! ■

पार्टी का विजन साकार करने हेतु कार्यकर्ताओं से सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 13 सितंबर, 2025 को बिहार प्रवास के दौरान कई संगठनात्मक कार्यक्रमों में भाग लिया और प्रभात खबर हिंदी दैनिक के कॉन्क्लेव को संबोधित किया। उन्होंने बिहार प्रदेश कोर कमिटी की बैठक भी ली। साथ ही, छपरा में अखंड ज्योति अस्पताल का भी निरीक्षण किया। उन्होंने प्रदेश भाजपा कार्यालय, पटना में संगठनात्मक बैठकें भी की।

श्री नड्डा ने सबसे पहले पटना में प्रभात खबर दैनिक समाचार पत्र के कॉनक्लेव को संबोधित किया। उन्होंने अपने संबोधन में बिहार के विकास में एनडीए के योगदान को रेखांकित किया और राज्य की ऐतिहासिक, शैक्षणिक और सांस्कृतिक महत्ता को रेखांकित किया। उन्होंने बिहार के उस दौर को याद दिलाया जब राज्य में भय, अपहरण और फिरौती का माहौल था और इसकी तुलना आज के विकासशील बिहार से की। एक समय था जब बिहार से इंजीनियर, प्रोफेशनल और कारोबारी घर लौटने से डरते थे। अपहरण का ऐसा वातावरण था कि फिरौती की दरें तक तय रहती थीं। विश्वविद्यालयों में छात्रों को समय पर परीक्षा न दे पाने की शर्मिंदगी झेलनी पड़ती थी। उन्होंने उस समय के मुख्यमंत्री के बयान को याद दिलाया, जिसमें कहा गया था–"अगर सड़क बन जाएगी तो पुलिस जल्दी पहुंच जाएगी, इसलिए सड़क नहीं बननी चाहिए।" राजद और इंडी ठगबंधन के पास न तो स्पष्ट विज़न है और न ही मिशन। राजद सरकार की मानसिकता विकास विरोधी शासन का प्रतीक थी। इतने लंबे अंधकारमय शासन के बाद भी राजद नेतृत्व ने जनता से कभी माफी नहीं मांगी। उन्होंने कहा कि जिसे अपनी गलती का अहसास ही नहीं है, वह बिहार का भविष्य कैसे संवार सकता है? बिहार की जनता जानती है कि किसने केवल पलायन और अराजकता को महिमामंडित किया और किसने सड़क, अस्पताल, रेलवे और रोजगार दिया। बिहार को ऐसे नेताओं की जरूरत है जो विकास को महत्व दें, न कि उसे रोकने का प्रयास करें और ऐसा केवल और केवल भाजपा-एनडीए सरकार ही कर सकती है।

> **बिहार को ऐसे नेताओं की जरूरत है जो विकास को महत्व दें, न कि उसे रोकने का प्रयास करें और ऐसा केवल और केवल भाजपा-एनडीए सरकार ही कर सकती है**

श्री नड्डा ने तेजस्वी यादव पर हमला करते हुए कहा कि तेजस्वी यादव जी को दो बार सरकार चलाने का अवसर मिला, लेकिन उनकी कार्यशैली में तालमेल की कमी साफ दिखी। खासकर स्वास्थ्य जैसे अहम विभाग में योजनाएं ठप पड़ी रहीं और आम लोगों को फायदा नहीं मिल पाया। राजद नेतृत्व की कार्यशैली यह साबित करती है कि उनमें न तो दृष्टि है और न ही शासन चलाने की क्षमता। उन्होंने कहा कि बीते 20 वर्षों में बिहार ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी और मुख्यमंत्री नीतीश

कुमार जी के नेतृत्व में विकास की नई राह पकड़ी है।

श्री नड्डा ने रेलवे, एयरपोर्ट और स्वास्थ्य में नई उपलब्धियों पर चर्चा करते हुए कहा कि रेलवे में अब तक 144 वंदे भारत ट्रेनें शुरू हो चुकी हैं, जिनमें 20 ट्रेनें बिहार से जुड़ी हुई हैं। राज्य में 98 आधुनिक रेलवे स्टेशन विकसित किए जा रहे हैं। पटना एयरपोर्ट पर 12,000 करोड़ रुपये की लागत से बड़ा प्रोजेक्ट चल रहा है, जो बिहार की हवाई कनेक्टिविटी को नया आयाम देगा। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने दरभंगा को दूसरा एम्स दिया है। 1,264 करोड़ रुपये की लागत से बन रहा यह 750 बेड का अस्पताल न सिर्फ उत्तर और दक्षिण बिहार, बल्कि नेपाल तक के लोगों को स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करेगा।

श्री नड्डा ने पटना स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय में बिहार भाजपा की कोर कमिटी के साथ बैठक की। उन्होंने कार्यकर्ताओं को समर्पित और सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया, ताकि पार्टी का विज़न और मिशन हर स्तर पर साकार हो सके।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने छपरा में अखंड ज्योति नेत्र अस्पताल का दौरा किया। उनके साथ भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री दिलीप जायसवाल, उपमुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी और स्वास्थ्य मंत्री श्री मंगल पांडे भी उपस्थित थे।

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष पटना स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय में संगठनात्मक बैठक में शामिल हुए। इस दौरान आगामी विधानसभा चुनाव की रणनीतियों, संगठनात्मक मजबूती और प्रदेश में पार्टी के विकासात्मक अभियानों पर विस्तृत चर्चा हुई। श्री नड्डा ने स्पष्ट किया कि भाजपा का उद्देश्य केवल सत्ता प्राप्त करना नहीं है, बल्कि राज्य के प्रत्येक नागरिक तक योजनाओं और सेवाओं का लाभ पहुंचाना है। ■

एनडीए जितना मजबूत होगा, बिहार उतना ही खुशहाल और समृद्ध होगा : अमित शाह

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने 18 सितंबर, 2025 को बिहार के रोहतास में शाहाबाद, मगध तथा बेगूसराय में पटना और मुंगेर प्रमंडल के सभी जिलों के भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ संवाद किया। श्री शाह ने कहा कि एनडीए सरकार के कार्यकाल में बिहार में जो विकास और कल्याण के कार्य हुए हैं, लालू यादव यह पूरे जीवन मुख्यमंत्री रहते हुए भी नहीं कर सकते। बिहार का विकास केवल श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए की सरकार में ही संभव है। इस दौरान मंच पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल, उप मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी, उप मुख्यमंत्री श्री विजय कुमार सिन्हा, सांसद व पूर्व मंत्री श्री रविशंकर प्रसाद, राज्य सरकार में मंत्री श्री नितिन नबीन एवं अन्य वरिष्ठ नेतागण उपस्थित रहे।

श्री शाह ने कहा कि अन्य सभी पार्टियों में चुनाव नेता जिताते हैं, लेकिन भाजपा में चुनाव कार्यकर्ता जिताता है। यही कारण है कि भाजपा का कोई भी राष्ट्रीय नेता हो, उसका जीवन बूथ स्तर के कार्यकर्ता से ही शुरू हुआ है। भाजपा की विजय का आधार बूथ और मंडल स्तर पर कार्यरत कार्यकर्ता ही होता है। आने वाले दिनों में एनडीए की सरकार को फिर से एक बार बनाने का संकल्प लेने के लिए 10 जिलों के चयनित कार्यकर्ताओं को यहां बुलाया गया है। हम जितनी मजबूती से संकल्प करेंगे, उतना ही भाजपा और एनडीए मजबूत होगा। एनडीए जितना मजबूत होगा, बिहार उतना ही खुशहाल और समृद्ध होगा। बिहार जितना समृद्ध होगा, देश उतना ही तरक्की करेगा। बिहार के विकास और समृद्धि का रास्ता केवल और केवल प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए सरकार ही प्रशस्त कर सकती है।

> इस बार बिहार में एनडीए की विजय इतनी प्रचंड होगी कि राहुल बाबा कभी भी किसी अन्य राज्य में 'घुसपैठिया बचाओ' रैली निकालने की हिम्मत भी नहीं कर पाएंगे

उन्होंने कहा कि मतदाता सूची का गहन पुनः निरीक्षण बिहार को घुसपैठियों के प्रदूषण से मुक्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसमें केवल घुसपैठियों के नाम काटे गए हैं और इसी कारण लालू प्रसाद यादव और राहुल गांधी परेशान हैं क्योंकि घुसपैठिए ही उनकी वोट बैंक हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए सरकार ने बिहार में कई विकास कार्य किए हैं। 2300 करोड़ का नेशनल हाइवे अरवल से बिहार शरीफ तक, वाराणसी-कोलकाता एक्सप्रेस, असम-दरभंगा ग्रीन एक्सप्रेस, पटना-गया, रजौली-गया, राजगीर-गया हाईवे। 3 करोड़ से गया रेलवे स्टेशन का विकास, अनुग्रह नारायण रेलवे स्टेशन का विकास, जहानाबाद रेलवे स्टेशन का विकास, गया में मेट्रो, वाराणसी, पटना, नवादा, आसनसोल, हावड़ा हाईस्पीड रेड कॉरिडोर और पूरे नवादा सहित पूरे संभाग को इसका लाभ मिलेगा और ढेर सारे विकास के काम। एनडीए

की सरकार में पर्यटन के क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण विकास कार्य किए गए हैं। बाबा सिद्धनाथ मंदिर, काशी विश्वनाथ धाम की तर्ज पर विष्णुपद मंदिर, बोधगया कॉरिडोर और 30,000 करोड़ रुपये से औरंगाबाद में 2400 मेगावॉट का पावर प्लांट लगाने का काम श्री नरेन्द्र मोदी ने किया। 16,000 करोड़ रुपये से गयाजी के डोभी में औद्योगिक पाठ, मगध संभाग में तैरता हुआ बिजलीघर और 145 करोड़ रुपये से महाबोधि सांस्कृतिक केंद्र की स्थापना की गई। इन सभी परियोजनाओं के माध्यम से पर्यटन, ऊर्जा और सांस्कृतिक क्षेत्र में क्षेत्रीय विकास को नई दिशा मिली है। बिहार के सीतामढ़ी में सीता माता का मंदिर 800 करोड़ रुपये की लागत से बनाया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि ओबीसी वर्ग को मेडिकल की नीट परीक्षा और इंजीनियरिंग की जेईई परीक्षा में आरक्षण देने का काम हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने किया है।

श्री शाह ने कहा कि बिहार में साथ-साथ मखाना बोर्ड दिया, नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी दिया, आईआईटी दिया, पश्चिम कोसी नहर की परियोजना दी, जिससे मिथिलांचल में 50,000 हेक्टेयर की सिंचाई होगी और पूरे बिहार को रोड और रेल से जोड़ने का काम हमारे नेता श्री नरेन्द्र मोदी ने किया है। लालू जी ने वैसे तो बहुत काम दिया जैसे चारा घोटाला, लैंड फॉर स्कैम घोटाला, आईआरसीटी होटल घोटाला, राहत घोटाला, बीपीएससी घोटाला, एबी एक्सपोर्ट बेनामी संपत्ति मामला, आय से अधिक संपत्ति मामला। एक ओर करोड़ों रुपए का गबन करने वाले लालू प्रसाद एंड कंपनी है और दूसरी ओर 24 साल तक मुख्यमंत्री-प्रधानमंत्री रहने वाले श्री नरेन्द्र मोदी हैं जिन पर कोई भ्रष्टाचार का भी आरोप नहीं लगा है। इस बार बिहार में एनडीए की विजय इतनी प्रचंड होगी कि राहुल बाबा कभी भी किसी अन्य राज्य में 'घुसपैठिया बचाओ' रैली निकालने की हिम्मत भी नहीं कर पाएंगे। ■

राष्ट्र जीवन की समस्याएं

| पं. दीनदयाल उपाध्याय |

भारतीय जनसंघ के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं एकात्ममानव दर्शन के प्रणेता पं. दीनदयाल उपाध्याय कुशल संगठनकर्ता एवं मौलिक विचारक थे। निम्नलिखित लेख राष्ट्रधर्म (अंक-9, 6 अक्टूबर, 1949) से साभार प्रस्तुत है। इस लेख में दीनदयालजी ने अर्थवादी, राजनीतिवादी, मतवादी एवं संस्कृतिवादी विचारधाराओं का विश्लेषण करते हुए विचार व्यक्त किया है कि एक-संस्कृतिवादियों के साथ पूर्ण सहयोग करने की आवश्यकता है। प्रस्तुत है लेख का अंतिम भाग -

संस्कृतियों का संघर्ष :

आज भी भारत में प्रमुख समस्या सांस्कृतिक ही है। वह भी आज दो प्रकार से उपस्थित है, प्रथम तो संस्कृति को ही भारतीय जीवन का प्रथम तत्त्व मानना तथा दूसरे यदि इसे मान लें तो उस संस्कृति का रूप कौन सा हो? विचार के लिए यद्यपि यह समस्या दो प्रकार की मालूम होती है, किंतु वास्तव में है एक ही। क्योंकि एक बार संस्कृति का जीवन को प्रमुख एवं आवश्यक तत्त्व मान लेने पर उसके स्वरूप के संबंध में झगड़ा नहीं रहता, न उसके संबंध में किसी प्रकार का मतभेद ही उत्पन्न होता है। यह मतभेद तो तब उत्पन्न होता है जब अन्य तत्त्वों को प्रधानता देकर संस्कृति को उसके अनुरूप उन ढांचों में ढकने का प्रयत्न किया जाता है।

इस दृष्टि से देखें तो आज भारत में एक-संस्कृतिवाद, द्वि-संस्कृतिवाद तथा बहुसंस्कृतिवाद के नाम से तीन वर्ग दिखाई देते हैं। एक-संस्कृतिवाद के पुरस्कर्ता भारत में केवल एक ही भारतीय संस्कृति का अस्तित्व मानते हैं तथा अन्य संस्कृतियों का या तो अस्तित्व ही मानने को तैयार नहीं हैं या उसके लिए आवश्यक समझते हैं कि वह भारतीय संस्कृति में विलीन हो जाए। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ तथा कांग्रेस में श्री पुरुषोत्तमदास टंडन प्रभृति व्यक्ति इसी एक-संस्कृतिवाद के पोषक हैं।

> भारत में एक-संस्कृतिवाद, द्वि-संस्कृतिवाद तथा बहुसंस्कृतिवाद के नाम से तीन वर्ग दिखाई देते हैं। एक-संस्कृतिवाद के पुरस्कर्ता भारत में केवल एक ही भारतीय संस्कृति का अस्तित्व मानते हैं तथा अन्य संस्कृतियों का या तो अस्तित्व ही मानने को तैयार नहीं हैं या उसके लिए आवश्यक समझते हैं कि वह भारतीय संस्कृति में विलीन हो जाए

द्वि-संस्कृतिवादी :

द्वि-संस्कृतिवादी दो प्रकार के हैं। एक तो स्पष्ट तथा दूसरे प्रच्छन्न। एक वर्ग भारत में स्पष्टतया दो संस्कृतियों का अस्तित्व मानता है तथा उनको बनाए रखने की मांग करता है। मुस्लिम लिगी इसी मत के हैं। ये हिंदू और मुसलिम दो संस्कृतियों को मानते हैं तथा उनका आग्रह है कि मुसलमान अपनी संस्कृति की रक्षा अवश्य करेगा। दो संस्कृतियों के आधार पर ही उन्होंने दो राष्ट्रों का सिद्धांत सामने रखा, जिसके परिणाम को हम पिछले दो वर्षों में भली-भांति अनुभव कर चुके हैं। प्रच्छन्न द्वि-संस्कृतिवादी वे लोग हैं जो स्पष्टतया तो दो संस्कृतियों का अस्तित्व नहीं मानते, भूल से एक संस्कृति एवं एक राष्ट्र का ही राग अलापते हैं, किंतु व्यवहार में दो संस्कृतियों को मानकर उनका समन्वय करने का असफल प्रयत्न करते हैं। वे ये तो मान लेते हैं कि हिंदू और मुसलमान दो संस्कृतियां हैं, किंतु उनको मिलाकर एक नवीन हिंदुस्तानी संस्कृति बनाना चाहते हैं। अतः हिंदी-उर्दू का प्रश्न वे हिंदुस्तानी बनाकर हल करना चाहते हैं तथा अकबर को राष्ट्र पुरुष मानकर अपने राष्ट्र के महापुरुषों के प्रश्न को हल करना चाहते हैं। 'नमस्ते' और 'सलामवालेकुम' का काम ये 'आदाब अर्ज' से चला लेना चाहते हैं। यह वर्ग कांग्रेस में बहुमत में है। दो संस्कृतियों के मिलाने के अब तक असफल प्रयत्न हुए हैं, किंतु परिणाम विघातक ही रहा है। मुख्य कारण यह है कि जिसको मुसलिम संस्कृति के नाम से पुकारा जाता है वह किसी मजहब की संस्कृति न होकर अनेक अभारतीय संस्कृतियों का समुच्चय मात्र है। फलतः उसमें विदेशीपन है, जिसका मेल भारतीयत्व से बैठना कठिन ही नहीं, असंभव भी है। इसलिए यदि भारत में एक संस्कृति एवं एक राष्ट्र को मानना है तो वह भारतीय संस्कृति एवं भारतीय हिंदू राष्ट्र जिसके अंतर्गत मुसलमान भी आ जाते हैं, के अतिरिक्त और कोई नहीं हो सकता।

बहु-संस्कृतिवादी :

बहु-संस्कृतिवादी वे लोग हैं जो प्रांत की निजी संस्कृति मानते हैं तथा उस प्रांत को उस आधार पर आत्मनिर्णय का अधिकार देकर बहुत कुछ अंशों में स्वतंत्र ही मान लेते हैं। साम्यवादी एवं भाषानुसार प्रांतवादी लोग इस वर्ग के हैं। वे भारत में सभी प्रांतों में भारतीय संस्कृति की अखंड धारा का दर्शन नहीं कर पाते।

संस्कृति से भिन्न जीवन का आधार :

उपरोक्त तीनों प्रकार के वर्गों का प्रमुख कारण यह है कि उनके सम्मुख संस्कृति-प्रधान जीवन न होकर मजहब, राजनीति अथवा अर्थनीति प्रधान जीवन की है। मुसलिम लीग ने अपने अमूर्त तत्त्व का आधार मुसलिम मजहब समझकर ही भिन्न मुसलिम संस्कृति एवं राष्ट्र का नारा लगाया तथा उसके आधार पर ही अपनी सब नीति निर्धारित की। कांग्रेस का जीवन एवं लक्ष्य राजनीति प्रधान होने के कारण उसने अंग्रेजों का मुकाबला करने के लिए तथा शासन चलाने के लिए सब वर्गों को मिलाकर खड़ा करने का विचार किया, जिसके कारण अप्रत्यक्ष रूप से वर्गों को मिलाकर खड़ा करने का विचार किया, जिसके कारण अप्रत्यक्ष रूप से यह भी द्वि-संस्कृतिवाद का शिकार बन गईं। बहु-संस्कृतिवादी जीवन को अर्थ प्रधान मानते हैं, अतः वे आर्थिक एकता की चिंता करते हुए सांस्कृतिक एकता की ओर से उदासीन रह सकते हैं।

एक राष्ट्र और एक संस्कृति :

केवल एक-संस्कृतिवादी लोग ही ऐसे हैं जिनके समक्ष और कोई ध्येय नहीं है तथा जैसाकि हमने देखा, संस्कृति ही भारत की आत्मा होने के कारण वे भारतीयता की रक्षा एवं विकास कर सकते हैं। शेष सब तो पश्चिम का अनुकरण करके या तो पूंजीवाद अथवा रूस की तरह आर्थिक प्रजातंत्र तथा राजनीतिक पूंजीवादी का निर्माण करना चाहते हैं। अतः उनमें सब प्रकार की सद्भावना होते हुए भी इस बात की संभावना कम नहीं है कि उनके द्वारा भी भारतीय आत्मा का तथा भारतीयत्व का विनाश हो जाए। अतः आज की प्रमुख आवश्यकता तो यह है कि एक-संस्कृतिवादियों के साथ पूर्ण सहयोग किया जाए। तभी हम गौरव और वैभव से खड़े हो सकेंगे तथा भारत-विभाजन जैसी भावी दुर्घटनाओं को रोक सकेंगे। ■

समाप्त

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन ने जुलाई, 2025 के दौरान 21.04 लाख नए सदस्य जोड़े

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने 23 सितंबर को जुलाई, 2025 के लिए अनंतिम पेरोल डेटा जारी किया, जिसमें 21.04 लाख सदस्यों की कुल वृद्धि दर्ज की गई है। ईपीएफओ ने जुलाई, 2025 में लगभग 9.79 लाख नए सदस्यों को नामांकित किया। नए सदस्यों की संख्या में यह वृद्धि रोजगार के बढ़ते अवसरों, कर्मचारी लाभों के बारे में बढ़ती जागरूकता और ईपीएफओ के सफल पहुंच कार्यक्रमों के कारण है।

आंकड़ों का एक उल्लेखनीय पहलू यह भी है कि इसमें 18-25 आयु वर्ग समूह के सदस्यों का प्रभुत्व है। ईपीएफओ ने 18-25 आयु वर्ग में 5.98 लाख नए सदस्य जोड़े हैं और यह जुलाई, 2025 में जुड़े कुल नए सदस्यों का 61.06 प्रतिशत है।

जुलाई, 2025 में लगभग 2.80 लाख नई महिला सदस्य ईपीएफओ में शामिल हुईं। महिला सदस्यों में वृद्धि अधिक समावेशी और विविध कार्यबल की ओर व्यापक बदलाव का संकेत है। ■

केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने रेलवे कर्मचारियों को 78 दिनों के उत्पादकता से जुड़े बोनस को दी स्वीकृति

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 24 सितंबर को 10 लाख 91 हजार 146 रेलवे कर्मचारियों को 78 दिनों के उत्पादकता से जुड़े बोनस (पीएलबी) के रूप में 1865 करोड़ 68 लाख रुपये के भुगतान को स्वीकृति दी। रेलवे कर्मचारियों के बेहतर कामकाज को मान्यता देते हुए यह मंजूरी दी गई है।

प्रत्येक वर्ष दुर्गा पूजा/दशहरा की छुट्टियों से पहले पात्र रेल कर्मचारियों को उत्पादकता से जुड़े बोनस का भुगतान किया जाता है। इस वर्ष भी लगभग 10 लाख 91 हजार अराजपत्रित रेल कर्मचारियों को 78 दिनों के वेतन के बराबर पीएलबी राशि का भुगतान किया जा रहा है। रेलवे के समग्र प्रदर्शन में सुधार हेतु रेल कर्मचारियों को प्रेरित करने के लिए प्रोत्साहन के रूप में पीएलबी भुगतान किया जाता है।

प्रत्येक पात्र रेल कर्मचारी के लिए 78 दिनों के वेतन के बराबर अधिकतम देय पीएलबी राशि 17 हजार 951 रुपये है। यह राशि विभिन्न श्रेणियों के रेल कर्मचारियों जैसे ट्रैक मेंटेनर, लोको पायलट, ट्रेन मैनेजर (गार्ड), स्टेशन मास्टर, सुपरवाइजर, तकनीशियन, तकनीशियन हेल्पर, पॉइंट्समैन, मंत्रालयिक कर्मचारी और अन्य ग्रुप-सी कर्मचारियों को दी जाएगी।

वर्ष 2024-25 में रेलवे का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा। रेलवे ने रिकॉर्ड 161.49 करोड़ टन माल ढुलाई की और लगभग 7.3 अरब यात्रियों को गंतव्य स्थल तक पहुंचाया। ■

सशक्त और आत्मनिर्भर भारत के शिल्पी मोदीजी

अमित शाह

17 सितम्बर का दिन कई कारणों से इतिहास में महत्वपूर्ण है। आज के दिन सभी शिल्पकार बंधु व कामगार लोग हर्षोल्लास से विश्वकर्मा जयंती मनाते हैं। आज ही के दिन हैदराबाद को क्रूर निज़ाम और रज़ाकारों से मुक्ति मिली थी। और, आज के ही दिन एक ऐसे जनसेवक का भी जन्म हुआ, जिन्होंने अपना पूरा जीवन देश और देशवासियों को समर्पित कर दिया - हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी। मोदी जी का यह जन्मदिन विशेष है, क्योंकि यह उनका 75वां जन्मदिन है। मैं 140 करोड़ देशवासियों की ओर से मोदी जी को मनपूर्वक जन्मदिन की बधाई देता हूं और ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि भारत के मजबूत भविष्य के निमित्त वे मोदी जी को लंबी आयु, ऊर्जा और स्वास्थ्य प्रदान करें।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के साथ दशकों से कार्य करते हुए मैंने यह अनुभव किया है कि उनका व्यक्तित्व एक राजनेता से कहीं बढ़कर राष्ट्रहित को समर्पित एक ध्येयनिष्ठ नेतृत्वकर्ता का है। ऐसे नेतृत्वकर्ता, जिनके नेतृत्व के मूल में राष्ट्र का उत्थान और जनता का कल्याण ध्येयवाक्य की तरह विद्यमान है। प्रधानमंत्री मोदीजी के नेतृत्व की विशेषता है कि वे अपने शासन में समाज के सभी वर्गों की भागीदारी सुनिश्चित करने की दृष्टि रखते हैं। समाज का कोई भी वर्ग और व्यक्ति विकास से वंचित न रहे, इस उद्देश्य के साथ नीतियों के निर्माण और क्रियान्वयन पर उनका जोर रहता है। वे शासन को सत्ता का साधन नहीं, सेवा का माध्यम मानते हैं। यही कारण है कि उनकी सरकार में गरीब-कल्याण को केंद्र में रखकर अनेक योजनाएं न केवल शुरू हुईं, अपितु सफलतापूर्वक अपने लक्ष्यों को प्राप्त भी कर रही हैं।

हम देख सकते हैं कि जनधन योजना ने पचास करोड़ से अधिक लोगों को बैंकिंग व्यवस्था से जोड़ते हुए वित्तीय समावेशन की नई इबारत लिखी; उज्ज्वला योजना ने घर-घर तक धुएं से मुक्ति और सम्मानजनक जीवन का संदेश पहुंचाया; आयुष्मान भारत ने गरीबों को स्वास्थ्य की सुरक्षा दी, तो वहीं प्रधानमंत्री आवास योजना ने गरीब वर्ग को अपने घर का सपना पूरा करने का अवसर दिया। जब भी मैं ऐसी योजनाओं के किसी लाभार्थी की आंखों में संतोष और भरोसा देखता हूं, तो समझ में आता है कि मोदी जी का शासन किस प्रकार से जनकल्याण के उद्देश्य को धरातल पर साकार कर रहा है।

> कठिन परिस्थितियों में निर्णय लेने की क्षमता से ही मजबूत नेतृत्व की पहचान होती है। इस मामले में मोदी जी की नेतृत्व क्षमता अलग ही लोहे से बनी है। अक्सर मैंने देखा है कि बड़ी से बड़ी परिस्थितियों में भी वे असाधारण धैर्य और स्पष्ट दृष्टि रखते हैं

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक रूप में उन्होंने देश के अनेक हिस्सों में समाज के हर वर्ग के साथ संवाद किया। उनके तपस्वी जीवन का यह वह दौर था, जिसमें उन्होंने देश की आत्मा को नजदीकी से न सिर्फ देखा, बल्कि वह उसकी आतंरिक शक्ति से रूबरू हुए। उनका यह अनुभव उनकी शासन की नीति व कार्यशैली में गरीबों-वंचितों के प्रति संवेदना के रूप में परिलक्षित होता है। संघ के प्रचारक के रूप में ही मोदी जी ने संगठन कला के गुण सीखे और बाद में भाजपा के संगठन शिल्पी के रूप में उन्होंने संगठन कार्य को युगानुकुल बनाने के लिए अनेक सफल नवाचार और प्रयोग किये। मैं स्वयं को सौभाग्यशाली मानता हूं कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष रूप में मुझे मोदी जी के मार्गदर्शन व उनके संगठनात्मक अनुभव को राष्ट्रीय स्तर पर अमल में लाने का अवसर मिला।

कठिन परिस्थितियों में निर्णय लेने की क्षमता से ही मजबूत नेतृत्व की पहचान होती है। इस मामले में मोदी जी की नेतृत्व क्षमता अलग ही लोहे से बनी है। अक्सर मैंने देखा है कि बड़ी से बड़ी परिस्थितियों में भी वे असाधारण धैर्य और स्पष्ट दृष्टि रखते हैं। 2014 के बाद से ऐसे अनेक अवसर आए, जब देश को बड़े और कड़े निर्णयों की आवश्यकता थी। ऐसे सभी अवसरों पर प्रधानमंत्री मोदी जी ने नेतृत्व के सूत्रों को पूरी दृढ़ता और कुशलता से थामे रखा और राष्ट्रहित के अनुरूप निर्णय लिए। नोटबंदी और जीएसटी जैसे कदमों ने आर्थिक सुधारों को गति देते हुए हमारी अर्थव्यवस्था में एक नया अध्याय जोड़ा। अनुच्छेद-370 का ऐतिहासिक उन्मूलन तो सदियों तक याद रखी जाने वाली घटना है। यह निर्णय केवल राजनीतिक साहस को ही नहीं, अपितु राष्ट्रीय एकता और अखंडता के प्रति मोदी जी की अटूट आस्था को भी दर्शाता है। तीन तलाक जैसी सामाजिक कुरीति पर रोक लगाने का निर्णय महिलाओं के सम्मान और अधिकारों की रक्षा का साहसिक कदम था। ये निर्णय आसान नहीं थे। इनमें से कई निर्णयों का विरोध भी हुआ, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी जी कभी विचलित नहीं हुए। उनके भीतर

यह दृढ़ विश्वास था कि यदि राष्ट्रहित में कोई कार्य आवश्यक है, तो उसे विरोध और आलोचना की परवाह किए बिना हर परिस्थिति में पूरा किया जाना चाहिए।

अधिक पुरानी बात नहीं है, जब कोविड-19 जैसी महामारी ने पूरी दुनिया को झकझोर दिया था। ऐसे कठिन समय में भी मोदी जी ने न केवल जनता को आश्वस्त किया, अपितु देश के उद्योगों, वैज्ञानिकों और युवाओं को आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर किया। विश्व यह सोच रहा था कि इस महामारी में भारत का क्या हाल होगा! लेकिन यह हमारे नेतृत्व की कुशलता का ही कमाल था कि देश में न केवल रिकॉर्ड समय में वैक्सीन का निर्माण हुआ, अपितु तकनीक से संचालित निःशुल्क टीकाकरण अभियान के माध्यम से हमने दुनिया के सामने कोविड प्रबंधन का अनुकरणीय मॉडल प्रस्तुत किया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत ने बार-बार यह सिद्ध किया है कि राष्ट्रीय सुरक्षा और आत्मसम्मान से कोई समझौता संभव नहीं। उरी हमले के बाद की सर्जिकल स्ट्राइक ने दुनिया को दिखा दिया कि भारत अब आतंकवाद का मूकदर्शक नहीं रहेगा। पुलवामा की घटना के पश्चात् हुई बालाकोट एयर-स्ट्राइक ने इस संकल्प को और भी सुदृढ़ किया। हाल ही में पहलगाम हमले के उत्तर में 7 मई 2025 को संचालित 'ऑपरेशन सिन्दूर' ने इस नीति को निर्णायक रूप से स्थापित किया कि जब-जब देश की अस्मिता और नागरिकों की सुरक्षा पर चोट पहुंचेगी, भारत पूरे साहस और दृढ़ता के साथ उसका प्रत्युत्तर देगा। इन कार्रवाइयों ने न केवल देशवासियों के भीतर विश्वास और गौरव की भावना को सशक्त किया, अपितु विश्व को भी यह संदेश दिया कि नया भारत अपने हितों की रक्षा के लिए हर परिस्थिति का सामना करने को तैयार है।

विदेश नीति के क्षेत्र में भी मोदी जी की कार्यशैली अद्वितीय है। आज जब वे किसी अंतरराष्ट्रीय मंच पर खड़े होकर आत्मविश्वास से भारत का पक्ष रखते हैं, तो हम सबके भीतर भी गर्व की लहर दौड़ जाती है। पहले जहां भारत को अक्सर एक उभरते हुए राष्ट्र के रूप में देखा जाता था, वहीं अब मोदी जी के नेतृत्व में भारत वैश्विक नेतृत्वकर्ता की भूमिका लेने की ओर अग्रसर है। चाहे पेरिस जलवायु समझौता हो, जी-20 सम्मेलन हो या संयुक्त राष्ट्र में दिया गया संबोधन - हर जगह उनका आत्मविश्वास भारत की बढ़ती शक्ति और गौरव का प्रतीक रहा है।

नरेन्द्र मोदी जी को जितना मैंने जाना है, उसके आधार पर यह कहता हूं कि उनका व्यक्तित्व केवल नीतियों और कार्यक्रमों तक सीमित नहीं है। उनके भीतर एक विशेष करिश्मा है, जिससे वे सीधे जनता से जुड़ जाते हैं। उनकी वाणी में सहजता और सरलता का वह कौशल है, जो संवाद करते हुए उन्हें सीधे जनता के मन तक पहुंचा देता है। वे जब रेडियो पर 'मन की बात' करते हैं, तो करोड़ों लोग महसूस करते हैं कि प्रधानमंत्री सीधे उनसे संवाद कर रहे हैं। किसी गांव का कोई किसान हो या शहर का कोई छात्र हो अथवा कोई गृहिणी हो, हर कोई उनसे आत्मीयता का अनुभव करने लगता है। यह कोई सामान्य बात नहीं है।

आज जब मैं पीछे मुड़कर देखता हूं, तो पाता हूं कि श्री नरेन्द्र मोदी ने भारत को केवल आर्थिक और राजनीतिक रूप से ही नहीं, अपितु मानसिक और सांस्कृतिक रूप से भी सशक्त बनाया है। भारत की आतंरिक शक्ति की सही समझ रखने वाले मोदी जी का ही विजन है कि 2047 में जब भारत स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूर्ण करे, तब हमारा देश 'आत्मनिर्भर भारत' और एक महान देश के रूप में पुनः विद्यमान हो और इसकी पूर्ति के लिए वे अपनी दूरदर्शी नीतियों से देश को तेजी से इस दिशा में ले जा रहे हैं। उन्होंने हर भारतीय के भीतर यह विश्वास जगाया है कि हम विश्व में किसी से कम नहीं हैं। पिछले 11 वर्षों में एक उनके नेतृत्व में देश ने आत्मसम्मान, आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास की नई ऊंचाइयां छुई है, जो मेरी नजर में ऐतिहासिक भी है और अद्वितीय भी।

वस्तुतः सच्चा नेतृत्व वही होता है, जो हर क्षण राष्ट्र को समर्पित हो और जिसकी दृष्टि वर्तमान से कहीं आगे भविष्य तक देखती हो। नरेन्द्र मोदी जी का यही व्यक्तित्व आज भारत की सबसे बड़ी शक्ति है। ■

(लेखक केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री हैं)

एक ऐसा नेता जिसने सरकार को लोगों से जोड़ा

शिवराज सिंह चौहान

भारतीय राजनीति में श्री नरेन्द्र मोदी के उदय को विशेषाधिकार के पारंपरिक लेंस से नहीं समझा जा सकता। राजनीतिक वंशों में पले-बढ़े अनेक नेताओं के विपरीत मोदीजी और उनकी नेतृत्व शैली जमीन से उभरी है, जिसने उनके संघर्ष, वर्षों से जमीनी स्तर पर किए गए कार्यों और सरकार के विभिन्न स्तरों पर प्राप्त व्यावहारिक अनुभवों से आकार लिया है। उनका कॅरिअर मात्र एक व्यक्ति के उत्थान को ही प्रदर्शित नहीं करता, बल्कि यह भारत में अभिजात वर्ग द्वारा संचालित राजनीति की नींव के लिए एक चुनौती भी है।

नेतृत्व के शुरुआती संकेत

वडनगर के साधारण परिवार में जन्मे मोदीजी का बचपन जिम्मेदारी और सादगी से भरपूर रहा। बाढ़ पीड़ितों की सहायता के लिए चैरिटी स्टॉल लगाने से लेकर स्कूली छात्र के रूप में जातिगत भेदभाव पर आधारित नाटक लिखने तक, उन्होंने अल्पायु में ही संगठनात्मक कौशल और सामाजिक सरोकार का अद्भुत मिश्रण प्रदर्शित किया। उनकी मूलभूत प्रवृत्तियां राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ में और भी प्रखर हुईं, जहां साधारण कार्यकर्ताओं को ग्रामीणों से घुलने-मिलने, उनके जैसा जीवन व्यतीत करने और अपने आचरण के जरिए उनका विश्वास अर्जित करने का प्रशिक्षण दिया जाता था। एक युवा प्रचारक के तौर पर मोदीजी ने बिल्कुल वैसा ही किया। अक्सर बस या स्कूटर से गुजरात भर में यात्रा करते हुए और भोजन व आश्रय के लिए ग्रामीणों पर निर्भर रहते हुए उन्होंने साझा कठिनाइयों और संघर्षों के माध्यम से सभी वर्गों का विश्वास अर्जित किया। इस अनुशासन ने उन्हें उन लोगों के रोजमर्रा के सरोकारों से जुड़े रहने में मदद की, जिनकी वे सेवा करना चाहते थे। इसी ने उन्हें संकटकाल में संगठित, बड़े पैमाने पर कदम उठाने की आवश्यकता पड़ने पर प्रभावी ढंग से नेतृत्व करने के लिए भी तैयार किया। ऐसा ही एक संकट 1979 में मच्छू बांध के टूटने से आया था, जिसमें हजारों लोग मारे गए थे। 29 वर्षीय मोदीजी ने तुरंत स्वयंसेवकों को पालियों में संगठित किया।

वडनगर के साधारण परिवार में जन्मे मोदीजी का बचपन जिम्मेदारी और सादगी से भरपूर रहा। बाढ़ पीड़ितों की सहायता के लिए चैरिटी स्टॉल लगाने से लेकर स्कूली छात्र के रूप में जातिगत भेदभाव पर आधारित नाटक लिखने तक, उन्होंने अल्पायु में ही संगठनात्मक कौशल और सामाजिक सरोकार का अद्भुत मिश्रण प्रदर्शित किया। उनकी मूलभूत प्रवृत्तियां राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ में और भी प्रखर हुईं, जहां साधारण कार्यकर्ताओं को ग्रामीणों से घुलने-मिलने, उनके जैसा जीवन व्यतीत करने और अपने आचरण के जरिए उनका विश्वास अर्जित करने का प्रशिक्षण दिया जाता था। एक युवा प्रचारक के तौर पर मोदीजी ने बिल्कुल वैसा ही किया

राहत सामग्री का प्रबंध किया, शवों को निकाला और परिवारों को सांत्वना दी। कुछ साल बाद गुजरात में सूखे के दौरान उन्होंने सुखड़ी अभियान का नेतृत्व किया, जो पूरे राज्य में फैल गया। इस दौरान लगभग 25 करोड़ रुपये मूल्य का भोजन वितरित किया गया। दोनों ही आपदाओं में उन्होंने बिल्कुल आरंभ से ही बड़े पैमाने पर राहत प्रयास शुरू किए, जिससे उनके उद्देश्य की स्पष्टता, उनके सैन्य-शैली के संगठन और उनका इस आग्रह का परिचय मिला कि नेतृत्व का अर्थ केवल प्रतीकात्मकता नहीं, बल्कि सेवा है। इन शुरुआती घटनाओं ने जहां एक ओर लोगों को संगठित करने की उनकी क्षमता को परखा, वहीं आपातकाल ने दमन के दौर में उनके साहस की परीक्षा ली। मात्र 25 वर्ष की आयु में, एक सिख के वेश में उन्होंने पुलिस निगरानी से बचने की कोशिश कर रहे कार्यकर्ताओं और नेताओं के बीच संवाद कायम रखा।

चुनावी राजनीति में अनुप्रयोग

इस जमीनी नेटवर्क ने क्रूर शासन के विरुद्ध प्रतिरोध को जीवित रखा, जिससे उन्हें एक कुशल संगठनकर्ता के रूप में ख्याति मिली। इन्हीं कौशलों का उपयोग जल्द ही चुनावी राजनीति में भी किया गया। भाजपा-गुजरात के संगठन मंत्री के रूप में, उन्होंने पार्टी का विस्तार नए समुदायों तक किया, जिनमें राजनीतिक विमर्श में हाशिए पर पड़े लोग भी शामिल थे। उन्होंने विविध पृष्ठभूमियों के नेताओं को तैयार किया, जमीनी स्तर पर समर्थन जुटाया और पूरे गुजरात में श्री लालकृष्ण आडवाणी की सोमनाथ-अयोध्या रथ यात्रा जैसे बड़े आयोजनों की योजना बनाने में मदद की। बाद में विभिन्न राज्यों में प्रभारी के रूप में उन्होंने बूथ स्तर तक मजबूत पार्टी तंत्र का निर्माण किया।

2001 में जब वे गुजरात के मुख्यमंत्री बने, तो श्री मोदी ने इन सीखों को शासन में लागू किया। उदाहरण के लिए पदभार ग्रहण करने के कुछ ही घंटों बाद उन्होंने साबरमती तक नर्मदा का पानी लाने पर एक बैठक बुलाई थी, जिससे यह संकेत मिलता था कि निर्णायक कार्रवाई उनके प्रशासन की पहचान होगी।

उनका दृष्टिकोण शासन को एक जन-आंदोलन बनाना था, जहां प्रवेशोत्सव ने स्कूलों में नामांकन को प्रोत्साहित किया, कन्या केलवणी ने बालिकाओं की शिक्षा को बढ़ावा दिया, गरीब कल्याण मेलों ने कल्याणकारी योजनाओं को नागरिकों तक पहुंचाया और कृषि रथ ने कृषि सहायता को किसानों के खेतों तक पहुंचाया। नौकरशाहों को कार्यालयों से निकालकर कस्बों और गांवों तक जाना पड़ा। उनका मानना है कि शासन लोगों तक उनके निवास स्थान तक पहुंचना चाहिए, न कि केवल सम्मेलन कक्षों तक सीमित रहना चाहिए।

मूलभूत रूप से मोदीजी के जीवन और नेतृत्व ने भारतीय राजनीति के केवल अभिजात वर्ग से संबद्ध होने की धारणा को नए सिरे से परिभाषित किया है। वह योग्यता और परिश्रम का प्रतीक बन चुके हैं तथा वह शासन को जनसाधारण के और करीब ले आए हैं। उनकी राजनीतिक शक्ति सत्ता को जनता से जोड़ने में निहित है

राष्ट्रीय आदर्श बन गए प्रयोग

मोदीजी के प्रधानमंत्री पद पर आसीन होने के बाद गुजरात में किए गए प्रयोग राष्ट्रीय आदर्श बन गए। स्वच्छता अभियानों के उनके अनुभव ने स्वच्छ भारत मिशन का रूप लिया, जहां उन्होंने प्रतीकात्मकता को सामूहिक कार्रवाई में बदलने के लिए स्वयं झाड़ू उठाई। डिजिटल इंडिया, जन-धन योजना और अन्य पहल शीर्ष से शुरू किए गए कार्यक्रम नहीं थे, बल्कि जमीनी स्तर पर बिताए उनके वर्षों से प्राप्त सीखों पर आधारित जन-आंदोलन थे। इन्होंने जन-भागीदारी के उनके दर्शन को मूर्त रूप दिया, जहां शासन तभी कारगर होता है, जब नागरिक निष्क्रिय प्राप्तकर्ता न बने रहकर, स्वयं भागीदार बनें। मोदीजी जैसे नेता और जनता के बीच दशकों से विकसित इसी विश्वास ने आज के भारत में नीति को साझेदारी में बदल दिया है।

मूलभूत रूप से उनके जीवन और नेतृत्व ने भारतीय राजनीति के केवल अभिजात वर्ग से संबद्ध होने की धारणा को नए सिरे से परिभाषित किया है। वह योग्यता और परिश्रम का प्रतीक बन चुके हैं तथा वह शासन को जनसाधारण के और करीब ले आए हैं। उनकी राजनीतिक शक्ति सत्ता को जनता से जोड़ने में निहित है। ऐसा करके उन्होंने भारतीय राजनीति को एक नया रूप दिया है, जो आम नागरिक के संघर्षों और भावनाओं पर आधारित है। ■

(लेखक केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री हैं)

पतन से प्रगति तक: प्रधानमंत्री मोदीजी कैसे गढ़ रहे हैं नया शहरी भारत

हरदीप सिंह पुरी

रोम एक दिन में नहीं बना था, वैसे ही नया शहरी भारत भी एक दिन में नहीं बनेगा। लेकिन जब हम अपने शहरों से और अधिक की अपेक्षा करते हैं, तो हमें यह भी देखना चाहिए कि हम पहले ही कितनी दूरी तय कर चुके हैं? आजादी के दशकों बाद तक भारत के शहर उपेक्षित थे। नेहरू की सोवियत शैली की केंद्रीकृत सोच ने हमें शास्त्री भवन और उद्योग भवन जैसे कंक्रीट के विशाल भवन दिए, जो 1990 के दशक तक ही ढहने लगे थे और सेवा के बजाय नौकरशाही के स्मारक बनकर रह गए।

2010 के दशक तक दिल्ली की हालत बहुत खराब थी। सड़कों पर गड्ढे थे, सरकारी इमारतें पुरानी, बदरंग और टपकती छतों वाली थीं और एनसीआर की बाहरी सड़कों पर हमेशा जाम लगा रहता था। एक्सप्रेसवे बहुत कम थे, मेट्रो कुछ ही शहरों तक सीमित थी और बुनियादी ढांचा तेजी से टूट-फूट का शिकार हो रहा था। दुनिया का नेतृत्व करने का सपना देखने वाले देश की राजधानी उपेक्षा और बदहाल स्थिति का प्रतीक बन चुकी थी।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने हालात को बदल दिया। उन्होंने शहरों को बोझ नहीं माना, बल्कि उन्हें विकास के इंजन और राष्ट्रीय गर्व का प्रतीक बनाया। यह बदलाव आज हर जगह दिखाई देता है। सेंट्रल विस्टा के पुनर्निर्माण ने कर्तव्य पथ को जनता की जगह बना दिया, नई संसद को भविष्य के अनुरूप संस्थान में बदल दिया और कर्तव्य भवन को सुचारु प्रशासनिक केंद्र बना दिया। जहां पहले जर्जर हालत थी, वहां अब महत्वाकांक्षा और आत्मविश्वास दिखता है।

इस बदलाव का पैमाना आंकड़ों से समझा जा सकता है। 2004 से 2014 के बीच शहरी क्षेत्र में केंद्र सरकार का कुल निवेश लगभग 1.57 लाख करोड़ रुपये था। 2014 के बाद से यह 16 गुना बढ़कर लगभग 28.5 लाख करोड़ रुपये हो गया है। 2025–26 के बजट में ही आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय को 96,777 करोड़ रुपये दिए गए, जिसमें एक-तिहाई हिस्सा मेट्रो के लिए और एक-चौथाई आवास के लिए रखा गया। इतना बड़ा वित्तीय निवेश स्वतंत्र भारत के इतिहास में पहले कभी नहीं हुआ और इससे अभूतपूर्व रूप से शहरी ढांचे का स्वरूप बदल रहा है।

भारत की व्यापक आर्थिक और डिजिटल प्रगति ने इस रफ्तार को और तेज कर दिया है। आज हम लगभग 4.2 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के साथ दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हैं, जहां डिजिटल व्यवस्था रोजमर्रा की जिंदगी को चला रही है। यूपीआई ने अभी हाल ही में एक महीने में 20 अरब लेन-देन का आंकड़ा पार किया और हर महीने 24 लाख करोड़ रुपये से ज़्यादा के लेन-देन संभाल रहा है। अब 90 करोड़ से अधिक भारतीय इंटरनेट से जुड़े हुए हैं और 56 करोड़ जनधन खाते जैम त्रिमूर्ति (जनधन, आधार, मोबाइल) का आधार हैं, जिसके ज़रिये सब्सिडी सीधे और पारदर्शी रूप से दी जाती है। औपचारिकता का यह पैमाना और फिनटेक अपनाने का मॉडल पूरी तरह भारतीय है और इसका असर सबसे गहरा शहरी क्षेत्रों पर दिखाई देता है।

मेट्रो क्रांति जमीन पर हुए बदलाव को सबसे अच्छी तरह दिखाती है। 2014 में भारत में सिर्फ़ 5 शहरों में लगभग 248 किलोमीटर मेट्रो लाइन चल रही थी। आज यह बढ़कर 23 से अधिक शहरों में 1,000 किलोमीटर से ज़्यादा हो गई है, जो हर दिन एक करोड़ से अधिक यात्रियों को ढोती है। पुणे, नागपुर, सूरत और आगरा जैसे शहरों में नए कॉरिडोर बन रहे हैं, जिससे सफ़र तेज़, सुरक्षित और प्रदूषण-रहित हो रहा है। यह सिर्फ़ लोहे और कंक्रीट का ढांचा नहीं है, बल्कि इसमें लोगों का समय बचना, हवा का साफ़ होना और नागरिकों को करोड़ों घंटे की अतिरिक्त उत्पादकता मिलना शामिल है।

शहरी कनेक्टिविटी की तस्वीर पूरी तरह बदल गई है। एनसीआर के जाम से भरे इलाकों को नई बनी यूईआर-II (दिल्ली की तीसरी रिंग रोड) से राहत मिल रही है, जो एनएच-44, एनएच-9 और द्वारका एक्सप्रेसवे को जोड़कर पुराने जाम के स्थलों को आसान बना रही है। भारत की पहली क्षेत्रीय तेज़ यातायात प्रणाली—दिल्ली–मेरठ आरआरटीएस (नमो भारत)—पहले ही बड़े हिस्से पर चल रही है और पूरा संचालन जल्द ही शुरू होने वाला है, जिससे पूरा सफ़र एक घंटे से कम समय में तय होगा। ये तेज़ और एकीकृत परिवहन प्रणालियां नए भारत के लिए एक नई महानगरीय सोच को आकार दे रही हैं।

एक्सप्रेसवे अब शहरों के बीच की आवाजाही का नया चेहरा बन रहे हैं। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे, बेंगलुरु-मैसूरु एक्सप्रेसवे, दिल्ली-मेरठ एक्सेस-नियंत्रित कॉरिडोर और मुंबई कोस्टल रोड ने दूरी घटा दी है और बड़े वाहनों को शहर की गलियों से बाहर निकालकर हवा को साफ़ किया है। मुंबई में देश का सबसे लंबा समुद्री पुल अटल सेतु अब टापू जैसे शहर को मुख्य भूमि से सीधे

जोड़ता है। मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल, भारत की पहली बुलेट ट्रेन परियोजना, तेज़ी से आगे बढ़ रही है और पश्चिम भारत में विकास का नया केंद्र बनने जा रही है।

समावेशन भी हमेशा प्राथमिकता में रहा है। पीएम स्वनिधि योजना ने 68 लाख से ज़्यादा रेहड़ी-पटरी वालों को बिना गारंटी वाला कर्ज़ और डिजिटल सुविधा दी है, जिससे छोटे उद्यमियों को रोज़गार फिर से खड़ा करने और औपचारिक अर्थव्यवस्था से जुड़ने का मौका मिला है। पीएम आवास योजना (शहरी) के तहत 120 लाख से अधिक मकानों की मंज़ूरी दी गई, जिनमें से लगभग 94 लाख पूरे हो चुके हैं। लाखों परिवार, जो पहले झुग्गियों में रहते थे, अब सुरक्षित पक्के घरों में रह रहे हैं। ये केवल आंकड़े नहीं, बल्कि बदली हुई ज़िंदगियां और नयी उम्मीदें हैं।

ऊर्जा सुधार ने शहरी जीवन को और सुविधाजनक बनाया है। जहां पहले रसोई महंगे और अनिश्चित गैस सिलेंडर बुकिंग पर निर्भर थी, अब पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) आम होती जा रही है, जो अधिक सुरक्षित, साफ़ और सुविधाजनक है। सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन 2014 में सिर्फ़ 57 क्षेत्रों तक सीमित था, जो अब बढ़कर 300 से अधिक हो गया है। घरेलू पीएनजी कनेक्शन 25 लाख से बढ़कर 1.5 करोड़ से ऊपर पहुंच गए हैं, जबकि हज़ारों सीएनजी स्टेशन सार्वजनिक परिवहन को और स्वच्छ बना रहे हैं। अब लाखों शहरी घरों में नल घुमाकर ईंधन मिलना हकीकत बन चुका है।

भारत ने अब दुनिया की मेज़बानी करने का आत्मविश्वास हासिल कर लिया है। भारत मंडपम ने सफलतापूर्वक जी 20 नेताओं का शिखर सम्मेलन आयोजित किया। यशोभूमि अब दुनिया के सबसे बड़े सम्मेलन परिसरों में शामिल है, जहां एक साथ हज़ारों प्रतिनिधियों का स्वागत किया जा सकता है। इंडिया एनर्जी वीक ने बेंगलुरु, गोवा और नई दिल्ली में दुनिया की ऊर्जा कंपनियों और विशेषज्ञों को आकर्षित किया, जिससे यह साबित हुआ कि हमारे शहर बड़े पैमाने पर और बेहतरीन ढंग से दुनिया की मेज़बानी कर सकते हैं। यह सब तब अकल्पनीय था, जब हमारे नागरिक ढांचे की पहचान टूटे-फूटे हॉल और खस्ताहाल स्टेडियम हुआ करते थे।

परिवहन का आधुनिकीकरण बड़े पैमाने और तेज़ी से हो रहा है। 2014 में जहां सिर्फ़ 74 हवाई अड्डे चालू थे, आज वह संख्या बढ़कर लगभग 160 हो गई है। यह संभव हुआ है उड़ान योजना और लगातार निवेश की वजह से। वंदे भारत ट्रेनें अब 140 से अधिक रूटों पर चल रही हैं, जिससे अलग-अलग क्षेत्रों में यात्रा का समय काफी घटा है। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत 1,300 से अधिक रेलवे स्टेशनों का नवीनीकरण किया जा रहा है, जिनमें से सौ से ज़्यादा का उद्घाटन हो चुका है। दिल्ली में विस्तारित टर्मिनल-1 ने आईजीआई हवाई अड्डे की क्षमता 10 करोड़ यात्रियों से अधिक कर दी है, जिससे हमारी राजधानी दुनिया के बड़े हवाई केंद्रों की सूची में शामिल हो गई है।

पीएम आवास योजना (शहरी) के तहत 120 लाख से अधिक मकानों की मंज़ूरी दी गई, जिनमें से लगभग 94 लाख पूरे हो चुके हैं। लाखों परिवार, जो पहले झुग्गियों में रहते थे, अब सुरक्षित पक्के घरों में रह रहे हैं

समझदारी भरी कर नीति ने उपभोक्ताओं और विकास दोनों को सहारा दिया है। हाल ही में हुई जीएसटी सुधार के तहत ज़्यादातर वस्तुओं और सेवाओं को 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत की दरों में रखा गया है। ऊंचे टैक्स सिर्फ़ कुछ नशे और विलासिता की चीज़ों पर ही लगाए गए हैं। रोज़मर्रा की ज़रूरी चीज़ों से लेकर कई घरेलू सामानों पर टैक्स घटा है, छोटे कार और दोपहिया वाहन अब कम जीएसटी पर मिलते हैं। कई दवाइयां और मेडिकल उपकरण भी सस्ते हो गए हैं। शहरी परिवारों के लिए इसका मतलब हैकि महीने के खर्च कम होना, खपत बढ़ना और निवेश व रोज़गार का सकारात्मक चक्र चलना।

मैंने लंबे समय तक एक राजनयिक के रूप में विदेशों में भारत का प्रतिनिधित्व किया है और वहां मैंने देखा कि कैसे शहर किसी देश का चेहरा बन जाते हैं? वियना की रिंगस्ट्रासे, न्यूयॉर्क की ऊंची इमारतें या पेरिस की चौड़ी सड़कें- ये सब राष्ट्रीय महत्वाकांक्षा का प्रतीक थीं। तब मुझे साफ़ समझ आया कि दुनिया की नज़रें सबसे पहले किसी देश के शहरों पर जाती हैं। यही विश्वास मेरे शहरी कार्य मंत्रालय के काम का आधार बना कि दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, अहमदाबाद और हमारे दूसरे शहर एक उभरते भारत का आत्मविश्वास, आधुनिकता और आकांक्षाएं दिखाएं। जैसे मेरे राजनयिक करियर ने मुझे सिखाया कि भारत की छवि दुनिया में कैसे प्रस्तुत करनी है, वैसे ही मंत्री के रूप में मेरा काम रहा है कि हमारे शहर उस छवि के लायक बनें।

यह है बदलाव की यात्रा- आज़ादी के बाद की उपेक्षा से मोदी युग के आधुनिकीकरण तक। शास्त्री भवन की जर्जरता से कर्तव्य भवन की महत्वाकांक्षा तक। गड्ढों वाली सड़कों से एक्सप्रेसवे और हाई-स्पीड कॉरिडोर तक। धुएं से भरे रसोईघरों से पाइप्ड नेचुरल गैस तक। झुग्गियों से लाखों पक्के घरों तक। टूटे-फूटे हॉल से विश्वस्तरीय सम्मेलन केंद्रों तक। संकोच करती राजधानी से आत्मविश्वासी वैश्विक मेज़बानी तक।

पाटलिपुत्र और नालंदा जैसे भारत के प्राचीन शहर कभी शहरी सभ्यता की उच्चता के प्रतीक थे। आज, प्रधानमंत्री मोदीजी के नेतृत्व में भारतीय शहर फिर उसी राह पर हैं, आधुनिक लेकिन मानवीय, महत्वाकांक्षी होते हुए भी समावेशी, वैश्विक दृष्टिकोण वाले होते हुए भी जड़ों और मूल्यों से जुड़े हुए। नया शहरी भारत एक दिन में नहीं बन रहा है, बल्कि यह हर दिन बन रहा है- ईंट दर ईंट, ट्रेन दर ट्रेन, घर दर घर। और यह पहले से ही करोड़ों लोगों की ज़िंदगी बदल रहा है। ■

(लेखक केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हैं)

मोदीजी का शासन: गुजरात मॉडल से भारतीय मॉडल तक

मनसुख मांडविया

लंबे समय तक भारत के प्रधानमंत्री का दायित्व संभालने वाले बहुत ही कम नेताओं ने किसी राज्य में मुख्यमंत्री का दायित्व भी संभाला है। देश के ज्यादातर प्रधानमंत्री 'राष्ट्रीय' स्तर के नेता रहे हैं और उनके पास संघीय स्तर पर काम करने का अनुभव बहुत ही कम रहा है, लेकिन प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी इसके चंद अपवादों में से एक हैं।

जब श्री नरेन्द्र मोदी 2014 में प्रधानमंत्री बने, तो वे अपने साथ गुजरात में एक दशक के राज्य-स्तरीय शासन से विकसित हुए कामकाज के एक नए दर्शन को लेकर आए। मुख्यमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने इस बात को बारीकी से देखा कि योजनाएं अंतिम छोर पर क्यों विफल या सफल होती हैं और फिर एक ऐसे दृष्टिकोण को परिष्कृत किया जिसने उन्हें शासन के केन्द्र में महज नीति-निर्माण के बजाय क्रियान्वयन को रखने वाला पहला प्रधानमंत्री बनाया। बिजली से लेकर बैंकिंग और कल्याण से लेकर बुनियादी ढांचे के मामले में इस दर्शन ने तब से आज तक भारतीय राज्य द्वारा अपने नागरिकों की सेवा करने के तरीके को नए सिरे से परिभाषित किया है।

अनुभव के आधार पर विकसित क्रियान्वयन

नीतिगत केन्द्रबिंदु के रूप में क्रियान्वयन में श्री नरेन्द्र मोदी के दृढ़ विश्वास को बिजली क्षेत्र से संबंधित उनके दृष्टिकोण में देखा जा सकता है। गुजरात में उन्होंने देखा कि गांवों में खंभे और लाइनें तो हैं, लेकिन वास्तव में बिजली नदारद है। इसका समाधान उन्होंने ज्योतिग्राम योजना के रूप में निकाला, जिसके तहत फीडरों को अलग किया गया ताकि घरों को 24 घंटे बिजली मिल सके और खेतों को बिजली का एक निश्चित हिस्सा मिल सके। प्रधानमंत्री के रूप में उन्होंने दीनदयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना के जरिए इस सिद्धांत को आगे बढ़ाया। इस योजना के जरिए 18,374 गांवों को भरोसेमंद तरीके से बिजली उपलब्ध कराई गई। वर्ष 2023 तक आते-आते, बिजली की यही आपूर्ति सामूहिक रूप से 11 करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार देने और भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में लगभग 29 प्रतिशत का योगदान करने वाले देश के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) की रीढ़ बन गई।

> देश के ज्यादातर प्रधानमंत्री 'राष्ट्रीय' स्तर के नेता रहे हैं और उनके पास संघीय स्तर पर काम करने का अनुभव बहुत ही कम रहा है, लेकिन प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी इसके चंद अपवादों में से एक हैं

बैंकिंग क्षेत्र में भी इसी सिद्धांत को फिर से दोहराया गया। कागजों में तो ग्रामीण परिवारों के बैंक में खाते थे, लेकिन व्यवहार में वे निष्क्रिय थे। जन-धन ने इस स्थिति को बदल दिया। आधार और मोबाइल फोन को व्यक्तिगत बैंक खातों से जोड़कर एक कमजोर पड़ी व्यवस्था को सीधे धन हस्तांतरण की बुनियाद बना दिया गया। इससे धन बिना किसी बिचौलिए के नागरिकों के हाथों में पहुंचा, बर्बादी पर लगाम लगी और सरकारी खजाने को भारी रकम की बचत हुई।

इसके बाद आवास क्षेत्र की बारी आई। प्रधानमंत्री आवास योजना ने भुगतान को निर्माण कार्यों से जोड़ा, उनकी निगरानी के लिए जियो-टैगिंग का इस्तेमाल किया और बेहतर डिजाइन पर जोर दिया। पिछली सरकारों के अधूरे घरों के उद्घाटन के चलन को पलटते हुए पहली बार लाभार्थियों को पूरी तरह निर्मित और रहने लायक घर मिले।

फोर्स मल्टीप्लायर के रूप में संघीय प्रणाली

गुजरात ने श्री नरेन्द्र मोदी को यह भी दिखाया कि प्रगति किस प्रकार केन्द्र और राज्य के बीच समन्वय पर निर्भर करती है। राष्ट्रीय स्तर पर यह सहकारी एवं प्रतिस्पर्धी संघवाद का दर्शन बन गया।

दशकों से अटके पड़े वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) को राज्यों के साथ आम सहमति बनाकर पारित किया गया। जीएसटी परिषद् ने राजकोषीय संवाद को संस्थागत रूप दिया और एक एकीकृत राष्ट्रीय बाजार का निर्माण किया।

इसके अलावा, उन्होंने राज्यों को हस्तांतरित किए जाने वाले केन्द्रीय करों का हिस्सा बढ़ाया। इससे राज्यों को अपनी प्राथमिकताएं तय करने में ज्यादा वित्तीय गुंजाइश एवं स्वायत्तता मिली। साथ ही, उन्होंने व्यापार में सुगमता के आधार पर राज्यों की रैंकिंग करके और सुधारों को पुरस्कृत करके प्रतिस्पर्धी संघवाद को बढ़ावा दिया। इन बदलावों ने राज्यों को न सिर्फ धन प्राप्त करने वाले के रूप में, बल्कि भारत की विकास गाथा में हितधारक के रूप में भी कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया।

बुनियादी ढांचे के मामले में गुजरात के बीआईएसएजी मानचित्रण से संबंधित प्रयोगों को पीएम गति शक्ति के रूप में विस्तारित किया गया, जहां 16 मंत्रालय और सभी

राज्य अब एक ही डिजिटल प्लेटफॉर्म पर 1,400 परियोजनाओं की योजना बना रहे हैं। इससे अनुमोदन में लगने वाले समय में कमी आ रही है और क्रियान्वयन में सामंजस्य स्थापित हो रहा है।

उत्पादकता के रूप में कल्याण

श्री नरेन्द्र मोदी के लिए कल्याणकारी योजनाएं हमेशा उत्पादकता से जुड़ा निवेश रही हैं, जिनका उद्देश्य इनके लाभार्थियों को सशक्त बनाना है। गुजरात के कन्या केलवणी नामांकन अभियान ने महिला साक्षरता को 2001 के 57.8 प्रतिशत से बढ़ाकर 2011 तक 70.7 प्रतिशत कर दिया। राष्ट्रीय स्तर पर इसे 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' कार्यक्रम में परिवर्तित किया गया। इस कार्यक्रम का संबंध बाल लिंगानुपात में सुधार से है, जो 2014 के 918 से बढ़कर 2023 तक 934 हो गया। लड़कियों के स्कूल जाने से उनकी शादी देर से होती है, उनके स्वास्थ्य में सुधार होता है और दीर्घकालिक उत्पादकता बढ़ती है। इससे वे वेतनभोगी कार्यबल में प्रवेश कर सकी हैं और इस प्रकार राष्ट्र निर्माण में अधिक प्रभावी ढंग से भाग ले रही हैं।

मातृ स्वास्थ्य का भी उतना ही ध्यान रखा गया। गुजरात की चिरंजीवी योजना ने संस्थागत प्रसवों पर सब्सिडी दी, जिससे मृत्यु दर में कमी आई। केन्द्रीय स्तर पर प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना ने मातृत्व लाभ और पोषण को जोड़ा। इससे तीन करोड़ से अधिक महिलाओं को सहायता मिली। इसका मार्गदर्शक विचार एक ही थाः सामाजिक व्यय से निर्बलता में कमी आनी चाहिए, विकल्प बढ़ने चाहिए और भावी कार्यबल की क्षमता बढ़नी चाहिए।

निवेशकों और नागरिकों का विश्वास

शायद, गुजरात मॉडल का सबसे सूक्ष्म प्रभाव मानसिकता में बदलाव है। वाइब्रेंट गुजरात शिखर सम्मेलनों ने दिखाया कि कैसे निरंतर संपर्क धारणाओं को बदल सकता है, एक राज्य को निवेशकों की नजर में एक विश्वसनीय निवेश गंतव्य बना सकता है और नौकरशाहों को व्यवसाय के अनुकूल बना सकता है। इसी अनुभव ने 'मेक इन इंडिया' को आकार दिया, जिसने सुव्यवस्थित मंजूरियों, भूमि गलियारों और बुनियादी ढांचे की तैयारी के जरिए विश्वसनीयता को प्राथमिकता दी। वर्ष 2014 और 2024 के बीच भारत ने 83 लाख करोड़ रुपए का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) आकर्षित किया, जो इसकी कार्यान्वयन क्षमता और दीर्घकालिक विश्वसनीयता में भरोसे का संकेत देता है।

गुजरात के कन्या केलवणी नामांकन अभियान ने महिला साक्षरता को 2001 के 57.8 प्रतिशत से बढ़ाकर 2011 तक 70.7 प्रतिशत कर दिया। राष्ट्रीय स्तर पर इसे 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' कार्यक्रम में परिवर्तित किया गया। इस कार्यक्रम का संबंध बाल लिंगानुपात में सुधार से है, जो 2014 के 918 से बढ़कर 2023 तक 934 हो गया

नागरिकों के स्तर पर भी उम्मीदें बदल गईं। पहले, योजनाओं का मूल्यांकन घोषणाओं से होता था। आज, आम भारतीय यह मानकर चलते हैं कि सरकार द्वारा समर्थित बिजली, शौचालय, बैंक खाते, सब्सिडी वाली गैस जैसी आवश्यक वस्तुएं वास्तव में उन तक पहुंचेंगी। इस तरह की चुपचाप की गई सेवाओं की आपूर्ति और सुविधाओं के सामान्यीकरण ने एक ऐसी राजनीतिक संस्कृति का निर्माण किया है, जहां वादों को उनके क्रियान्वयन से मापा जाता है, न कि उनके इरादों से। कई मायनों में यह बढ़ी हुई उम्मीद गुजरात मॉडल की सबसे ठोस विरासत है।

'विकसित भारत' 2047 की ओर

'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' महज एक नारा भर नहीं है। इसकी छाप रोजमर्रा की जिंदगी में साफ दिखाई देती हैः बिजली अब लक्जरी नहीं रही, जन-कल्याण सीधे तौर पर उपलब्ध हो रहा है, बुनियादी ढांचे से जुड़ी योजनाएं डिजिटल समन्वय से बनाईं जा रही हैं, स्वास्थ्य और शिक्षा दिखावे के बजाय मापने योग्य नतीजों की दृष्टि से डिजाइन की गई है। यह अब एक ऐसा भारतीय मॉडल है जिसने शासन को अंतिम छोर तक पहुंचाया है और देश के कोने-कोने में जनजीवन को प्रभावित किया है।

जब भारत 2047 तक 'विकसित भारत' बनने का अपना लक्ष्य हासिल करेगा, तो ऐसा इसलिए संभव हो सकेगा क्योंकि एक प्रधानमंत्री ने शासन को ही नए सिरे से परिभाषित किया है। क्रियान्वयन को प्रशासन की कसौटी बनाकर उन्होंने भारत की विशाल मशीनरी को वादों से हटाकर काम करने वाली मशीनरी में बदल दिया है। यही छाप, जिसका परीक्षण पहले गुजरात में हुआ और जो फिर पूरे देश में फैला, श्री नरेन्द्र मोदी की निर्णायक विरासत है। ■

(लेखक केन्द्रीय श्रम एवं रोजगार, युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री हैं)

नरेन्द्र मोदी : सेवा प्रथम भाव से ओतप्रोत नेतृत्व

शिवप्रकाश

अंतरराष्ट्रीय, क्षेत्रीय और द्विपक्षीय तनावों के बीच प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के असाधारण नेतृत्व में भारत की विकास गाथा को देख पूरी दुनिया के रणनीतिकार न केवल आश्चर्यचकित हैं बल्कि आशावान भी है कि भविष्य में वैश्विक संकटों का समाधान भी भारत भूमि से ही प्रकट होगा। शांति काल, युद्ध काल या आपदा काल में समभाव बनाए रखते हुए जिस प्रकार से अब तक प्रधानमंत्री मोदी ने सटीक तथा लक्षित रणनीति के साथ समाधान प्रस्तुत किये हैं, उसने वैश्विक स्तर पर भरोसा और दृढ़ किया है।

श्री नरेन्द्र मोदी के जीवन की कहानी संघर्ष और समर्पण की एक प्रेरणादायक गाथा है। वह एक ऐसे नेता हैं जिन्होंने अपने अद्वितीय नेतृत्व और विराट व्यक्तित्व से भारत को एक नई दिशा प्रदान की है। उनकी नेतृत्व क्षमता, दूरदर्शिता और जनसमर्थन ने उन्हें एक प्रभावशाली नेता बनाया है। वह एक मजबूत नेता हैं जो अपने निर्णयों पर अडिग रहते हैं और अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत करते हैं। उनकी नेतृत्व क्षमता ने उन्हें भारत और विश्व के सबसे प्रभावशाली नेताओं में से एक बनाया है। प्रधानमंत्री एक दूरदर्शी नेता हैं जो भारत के भविष्य को लेकर आशान्वित हैं। मेक इन इंडिया जैसी अनेक महत्वाकांक्षी परियोजनाओं की उन्होंने शुरुआत की है। जो भारत को एक 'विकसित राष्ट्र' बनाने में मदद करेंगी। जनता से मिले व्यापक समर्थन, लोकप्रियता और उनके व्यक्तित्व के अद्भुत प्रभाव ने उन्हें एक दृढ़ निश्चयी नेता बनाया है जो कठोरतम निर्णयों को भी सहज भाव में लागू करने में सक्षम हैं। श्री नरेन्द्र मोदी का विराट व्यक्तित्व उनकी नेतृत्व क्षमता, दूरदर्शिता और जनसमर्थन का परिणाम है। उन्होंने अपने जीवन में कई चुनौतियों का सामना किया है और उन्हें पार किया है, जो उनकी मजबूत इच्छाशक्ति और संकल्प को दर्शाता है।

श्री नरेन्द्र मोदी का आरंभिक जीवन गुजरात के एक छोटे से शहर वडनगर में बीता। पिता दामोदर दास मूलचंद मोदी और माता हीराबेन के परिवार में 17 सितंबर, 1950 को उनका जन्म हुआ। उनके परिवार की आर्थिक स्थिति सामान्य थी और पिता चाय की एक दुकान चलाते थे। अपनी स्कूली शिक्षा वडनगर में पूरी की और बाद में उन्होंने गुजरात विश्वविद्यालय से राजनीति विज्ञान में स्नातक की उपाधि प्राप्त की। छात्र जीवन से ही वे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से जुड़ गए और उन्होंने संघ के साथ अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत की। श्री नरेन्द्र मोदी का पूरा जीवन निःस्वार्थ सेवा भाव में ही गुजरा है और आज भी विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के शीर्ष पद पर विराजमान होने के बावजूद उनका यह भाव जीवंत है।

> **श्री नरेन्द्र मोदी के जीवन की कहानी संघर्ष और समर्पण की एक प्रेरणादायक गाथा है। वह एक ऐसे नेता हैं जिन्होंने अपने अद्वितीय नेतृत्व और विराट व्यक्तित्व से भारत को एक नई दिशा प्रदान की है**

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का भारतीय जनमानस पर प्रभाव बहुत गहरा और व्यापक है। उनकी लोकप्रियता और राजनीतिक कौशल कई मायनों में अद्वितीय हैं। वह एक प्रभावी वक्ता हैं जो अपने शब्दों से लोगों को प्रभावित करते हैं। वह एक कुशल राजनीतिक रणनीतिकार हैं । जनता के व्यापक समर्थन से प्रधानमंत्री ने भारत में आर्थिक सुधार के लिए कई साहसिक कदम उठाए हैं, जिनमें जीएसटी और नोटबंदी प्रमुख है। इन आर्थिक सुधारों ने देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में मदद की है। जनता में उनके समर्थन और उनके प्रति अनुसरण के भाव को स्वच्छ भारत अभियान और बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ जैसे अभियानों में देखा जा सकता है जिन पर पूरे देश में उन्हें जनसमर्थन प्राप्त हुआ है। 'मन की बात' में गांव के किसी साधारण श्रमिक की कहानी या कोविड-19 में फ्रंटलाइन वर्कर्स का अभिनंदन कर उन्होंने यह दिखाया कि हर योगदान मायने रखता है। कोविड-19 महामारी के कठिन समय में श्री नरेन्द्र मोदी की सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि उन्होंने केवल प्रशासनिक स्तर पर ही नहीं, बल्कि भारतीय मन की गहराई को समझते हुए जनता का मनोबल बनाए रखा। जब भय और असुरक्षा का वातावरण था, तब उन्होंने सरल प्रतीकों और सांस्कृतिक जुड़ावों के माध्यम से लोगों में सामूहिक ऊर्जा जगाई। थाली और ताली बजाने का आह्वान इस बात का उदाहरण था कि उन्होंने भारतीय समाज की उस प्रवृत्ति को पहचाना, जहां किसी उत्सव या चुनौती में ध्वनि और प्रतीकात्मक कर्मकांड से एकता और संकल्प का संदेश मिलता है। यह ठीक वैसा ही था जैसा महात्मा गांधी ने चरखे को स्वदेशी आंदोलन का प्रतीक बनाया था— साधारण कर्म से गहरा संदेश। 'वोकल फॉर लोकल' जैसी पहल, हस्तशिल्प को वैश्विक मंच पर ले जाना और राज्य स्तरीय अनेक पहल को केंद्र की योजनाओं से जोड़ना इस सोच के उदाहरण हैं।

विश्व में वह एक मजबूत नेता के तौर पर उभरे हैं। राष्ट्र के हितों को सर्वोपरि मानते हुए उन्होंने जिस तरह के अमेरिकी टैरिफ मसले पर रणनीति अपनाई है उसने पूरे विश्व को दिखा दिया है कि भारत राष्ट्र हितों पर किसी के आगे झुकने को तैयार नहीं है। विभिन्न देशों के बीच सामंजस्य बनाने का प्रधानमंत्री के पास एक अद्वितीय कौशल है। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा ने भी उनकी कार्यशैली की सराहना करते हुए कहा था कि उन्हें लगता है कि मोदी 24 घंटे देश के लिए काम करते हैं। यह कथन उनकी असाधारण कार्यक्षमता और समर्पण को दर्शाता है। उनकी विदेश नीति और कूटनीतिक प्रयासों ने भारत को वैश्विक मंच पर एक महत्वपूर्ण भूमिका दिलाई है। उन्होंने ग्लोबल साउथ के देशों के साथ संबंधों को मजबूत बनाने पर ध्यान केंद्रित किया है। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र और जी-20 जैसे वैश्विक मंचों पर भारत की आवाज को बुलंद किया है। उन्होंने आर्थिक कूटनीति पर ध्यान केंद्रित किया है, जिससे देश के व्यापार और निवेश में वृद्धि हुई है। उन्होंने सांस्कृतिक कूटनीति का उपयोग करके विभिन्न देशों के साथ संबंधों को मजबूत बनाने का प्रयास किया है। इसके अंतर्गत योग और आयुर्वेद को वैश्विक स्तर पर बढ़ावा दिया गया है।

उम्र के सातवें दशक में होने के बावजूद वह टेक्नोलॉजी के मामले में आज के युवा की बराबरी करते हैं। नवाचारों पर उनका भरोसा है और उसे प्रोत्साहित करते हैं। यही वजह है कि एक दशक के उनके कार्यकाल में भारत विश्व में सबसे अधिक स्टार्ट अप्स वाला देश बन गया है। संभवतः वह विश्व के एकमात्र नेता हैं जो सीधे जनता से संवाद करने में विश्वास रखते हैं। आकाशवाणी पर उनके मासिक कार्यक्रम 'मन की बात' और विद्यार्थियों के साथ 'परीक्षा पे चर्चा' इसका सफल उदाहरण हैं। इन दोनों कार्यक्रमों का जनमानस पर व्यापक स्तर पर प्रभाव पड़ा है। खेलों को बढ़ावा देने के लिए 'खेलो इंडिया' और महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए 'ड्रोन दीदी' जैसी पहल जमीनी स्तर पर बदलाव लाने की इच्छा को दर्शाती हैं। इसके अतिरिक्त, 'नमो ऐप' के माध्यम से जनता को सीधे प्रधानमंत्री से जोड़ने और भारतीय डायस्पोरा को देश के विकास का हिस्सा बनाकर उन्होंने भारत की सॉफ्ट पावर को वैश्विक स्तर पर मजबूत किया है।

गोस्वामी तुलसीदास जी रामचरित मानस में राजा जनक के चरित्र का वर्णन करते हुए कहते हैं, "अतुलित धन्य्य सिय राम के जाई। राजसभा बिनु सवद सुहाई।" अर्थात् राजा जनक राजा होते हुए भी एक संन्यासी की तरह जीवन जीते थे और सांसारिक सुख-सुविधाओं की बजाय ज्ञान और वैराग्य को महत्व देते थे। लेक्स फ्रिडमैन के साथ पॉडकास्ट में कठोर परिश्रम के सम्बन्ध में प्रश्न पूछने पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा, "संतोष हमेशा देने के भाव की कोख से पैदा होता है।" प्रधानमंत्री श्री मोदी इसी कर्मयोगी भाव के जीते जागते उदाहरण हैं। गुजरात का मुख्यमंत्री होने के समय से ही वह एक अनुशासित और सरल जीवन जीने के लिए जाने जाते हैं। प्रधानमंत्री बनने के बाद भी श्री नरेन्द्र मोदी का जीवन अनुशासित और सरल रहा है। वह नियमित रूप से योग और ध्यान करते हैं और एक स्वस्थ जीवनशैली को अपनाते हैं। वह आध्यात्मिकता में विश्वास करते हैं। वह स्वामी विवेकानंद और महात्मा गांधी जैसे आध्यात्मिक नेताओं से प्रेरणा लेते हैं। उनका संन्यासी भाव उनके जीवन और कार्य में देखा जा सकता है।

संभवतः मोदीजी विश्व के एकमात्र नेता हैं जो सीधे जनता से संवाद करने में विश्वास रखते हैं। आकाशवाणी पर उनके मासिक कार्यक्रम 'मन की बात' और विद्यार्थियों के साथ 'परीक्षा पे चर्चा' इसका सफल उदाहरण हैं

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी संस्कृति के अनन्य पुजारी हैं। वह भारतीय संस्कृति की समृद्धि और विविधता को बढ़ावा देने के लिए काम करते हैं। वह अक्सर अपने भाषणों में भारतीय संस्कृति की महानता का उल्लेख करते हैं। वह कला को भी बढ़ावा देते हैं और कलाकारों और संस्कृतिकर्मियों को प्रोत्साहित करते हैं। समय–समय पर वाद्य यंत्रों का वादन जैसे असम का सारिंदा, महाराष्ट्र में बंजारा संस्कृति से जुड़ा ढोल जैसा वाद्य यंत्र नांगरा, आदिवासी कलाकारों के साथ पारंपरिक वाद्य यंत्र और उत्तराखंड के स्थानीय कलाकारों के साथ एक पारंपरिक वाद्य यंत्र उनकी संगीत के प्रति अभिरुचि को प्रकट करता है।

नरेन्द्र मोदी में एक साहित्यकार एवं कवि होने के करण उनकी संवेदनशीलता प्रकट होती हैं। उन्होंने कई पुस्तकें और कविताएं लिखी हैं जो उनके विचारों और अनुभवों को दर्शाती हैं। 2007 में श्री नरेन्द्र मोदी ने अपनी कविता-संग्रह की पुस्तक 'आंख आ धन्य छे' का विमोचन मुंबई में किया। इस अवसर पर उन्होंने शेखावत जी को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया। कार्यक्रम में शेखावत जी ने कहा –

"जब मोदीजी ने मुझे पुस्तक विमोचन के लिए कहा, तो मुझे लगा वे मजाक कर रहे हैं। मैं विश्वास नहीं कर सका कि वे कविता भी लिखते हैं। मुझे खेद है, मोदी जी, मैंने सोचा नहीं था कि आपके भीतर इतना कोमल पक्ष भी है। आज मैं देख रहा हूं कि आपका व्यक्तित्व कठोरता और कोमलता का अद्भुत संगम है।" ज्योतिपुंज पर परम पूजनीय मोहन भागवत जी का कहना कि "यह पुस्तक नहीं है, अनुभूति है"। ज्योति पथ कविता संग्रह एवं 'सेट ऑफ एक्जाम वारियर्स' परीक्षा सम्बन्धी उनकी पुस्तक सभी के लिए प्रेरणादायी है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का जीवन राजनीति एवं समाज के लिए कार्य करने वाले सभी के लिए प्रेरणास्पद है। परमेश्वर उनको दीर्घायु प्रदान करें। ■

{लेखक भाजपा के राष्ट्रीय सह महामंत्री (संगठन) हैं}

नरेन्द्र मोदी: अंत्योदय के आधुनिक शिल्पकार

ब्रजेश पाठक

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश आज विकसित भारत के उस शिखर की ओर अग्रसर हैं, जिसकी आधारशीला श्रद्धेय पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी द्वारा प्रतिपादित अंत्योदय और एकात्म मानववाद है। पिछले एक दशक में हमारा देश मानवीय जीवन के हर पक्ष में ऐसे बदलाव का साक्षी बना है, जिससे 140 करोड़ भारतीयों के जीवन स्तर में समृद्धि आई है। मुझे स्मरण है प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 2014 में सेंट्रल हॉल में कहा था कि मेरी सरकार गरीब, किसान, पिछड़े, वंचित, युवा और महिलाओं की सरकार है। यह सिर्फ एक नारा या वक्तव्य नहीं था, बल्कि मोदी जी के नेतृत्व में काम कर रही केंद्र सरकार की प्राथमिकता का उद्घोष था। प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में पहले कार्यकाल से लेकर अब तक केंद्र सरकार के प्रत्येक निर्णय में अंत्योदय एवं लोक-कल्याण की स्पष्टता साफ देखी जा सकती है। स्वच्छ भारत मिशन से लेकर, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, जनधन, आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना, किसान सम्मान निधि, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना, पीएम जनमन योजना, जल जीवन मिशन समेत ऐसी तमाम जनकल्याणकारी योजनाओं के प्राथमिक हितग्राही गरीब, किसान, अनुसूचित जाति और जनजातियों के साथ ही समाज के अंतिम पायदान पर खड़े वह लोग हैं, जिन्हें केंद्र में सात दशक तक राज करने वाली कांग्रेस पार्टी ने हमेशा वोटबैंक के रूप में ही इस्तेमाल किया।

देश की राजनीतिक व्यवस्था में वंशवाद और पार्ट टाइम पॉलिटिक्स कल्चर को समाप्त करने वाले यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी पर लोगों का भरोसा दिन प्रतिदिन यदि बढ़ रहा है तो उसके पीछे उनकी राजनीतिक व वैचारिक प्रतिबद्धता है, जिसे पूर्ण करने के लिए वह न सिर्फ स्वयं परिश्रम की पराकाष्ठा करते हैं, बल्कि वह हर संकट की घड़ी में देश के एक प्रेरक अभिभावक की तरह खड़े नजर आते हैं।

> **भारतीय राजनीति में अपनी वैचारिक प्रतिबद्धता के लिए समर्पित ऐसा व्यक्तित्व बिरले ही देखने को मिलेगा, जिसने देश की जन-आकांक्षाओं को पूर्ण करने के लिए राजनीतिक नफे-नुकसान को कभी आड़े नहीं आने दिया। एक देश, एक विधान, एक प्रधान, एक निशान का वैचारिक अधिष्ठान प्रस्तुत करते हुए जम्मू एवं कश्मीर के लिए बलिदान होने वाले श्रद्धेय श्यामा प्रसाद मुखर्जी के स्वप्न को पूरा करने का श्रेय यदि किसी को जाता है तो वह हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री मोदी जी हैं**

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी अपने किसी भी निर्णय को छोटी-छोटी बारीक कसौटी पर परखने के साथ ही उसकी दीर्घकालिक प्रासंगिकता का भी विश्लेषण करते हैं। देश में एक समय ऐसा भी था जब शायद ही कोई महीना गुजरता रहा होगा, जब कोई न कोई बड़ी आतंकवादी वारदात न होती रही हो, लेकिन प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आतंकवाद को लेकर जिस तरह जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई वह पहलगाम में हुई पाकिस्तान प्रायोजित आतंकी घटना के बाद चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर में देश और पूरी दुनिया ने देखा। भारतीय सेना के जवानों ने जिस अदम्य साहस के साथ पाकिस्तान में घुसकर आतंकियों के ठिकानों को समाप्त किया है, उससे आतंकवाद और उसके पोषक दोबारा ऐसी हरकत करने से पहले दस बार सोचेंगे। राष्ट्र को एक सूत्र में पिरोने वाले लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की तरह वह माओवाद को जड़ से समाप्त करने में जुटे हैं। यह सब इसलिए संभव हो रहा है क्योंकि देश का नेतृत्व एक ऐसे व्यक्तित्व के हाथ में है जिसके पास नीति और नियत दोनों की स्पष्टता है।

भारतीय राजनीति में अपनी वैचारिक प्रतिबद्धता के लिए समर्पित ऐसा व्यक्तित्व बिरले ही देखने को मिलेगा, जिसने देश की जन-आकांक्षाओं को पूर्ण करने के लिए राजनीतिक नफे-नुकसान को कभी आड़े नहीं आने दिया। एक देश, एक विधान, एक प्रधान, एक निशान का वैचारिक अधिष्ठान प्रस्तुत करते हुए जम्मू एवं कश्मीर के लिए बलिदान होने वाले श्रद्धेय श्यामा प्रसाद मुखर्जी के स्वप्न को पूरा करने का श्रेय यदि किसी को जाता है तो वह हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री मोदी जी हैं। अनुच्छेद 370 और 35-ए से आजादी के बाद आज जम्मू-कश्मीर तथा लद्दाख विकास की मुख्यधारा में शामिल हो चुके हैं।

भारत की विकास यात्रा प्राचीन काल से मातृशक्ति के नेतृत्व से जुड़ी रही है। महिलाओं को खुले शौच से आजादी, तीन

तलाक की समाप्ति, नारी शक्ति अधिनियम के जरिए महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण प्रधानमंत्री जी के 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' जैसे ध्येय की फलश्रुति ही तो हैं। आज देश में लिंगानुपात बेहतर हुआ है तो उसके पीछे नारीशक्ति के उत्थान को समर्पित अनेक नीतिगत कदम हैं।

दुनिया की तीसरी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम ने विकसित देशों के भी पसीने छुड़ा दिए हैं। भारत के प्रक्षेपण यानों से 34 देशों के चार सौ से अधिक उपग्रह प्रक्षेपित किए जा चुके हैं। भारत के चंद्रयान मिशन-3 जिस तरह सिर्फ 600 करोड़ रुपये में संपन्न हुआ, उसने अंतरिक्ष की दुनिया के कथित दिग्गज देशों के सामने एक रोल मॉडल प्रस्तुत किया है। सफलता के ऐसे अनेक कीर्तिमान भारत 'मेक इन इंडिया' अभियान के जरिए सैन्य व अन्य क्षेत्रों में लिख रहा है।

न्यूनतम शासन अधिकतम प्रशासन के मंत्र पर चलते हुए लोगों के जीवन स्तर को सहज और सरल बनाने वाले प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी देश में आर्थिक सुधारों के आधुनिक शिल्पकार हैं। जीएसटी लागू करने के बाद उसमें नई पीढ़ी की आवश्यकताओं तथा गरीब व मध्यम वर्ग की सुविधा का ख्याल रखते हुए जिस तरह के बदलाव किए गए हैं, वह अर्थव्यवस्था में एक नये युग का सूत्रपात है। एक कहावत है जाके पांव न फटी बिवाई, वो क्या जाने पीर पराई। प्रधानमंत्री जी ने गरीबी को देखा और जीया है। ऐसे में जीएसटी में अगली पीढ़ी के सुधार हों या फिर प्रधानमंत्री आवास से लेकर विश्वकर्मा योजना उनकी सभी नीतिगत पहल के केंद्र में गरीब अनिवार्य रूप से होता है। हाल ही में लाए गए जीएसटी 2.0 में खेती किसानी से जुड़े उपकरणों से लेकर रोजमर्रा की जरुरतों पर जिस तरह कर में कटौती की गई है, उससे एक सामान्य नागरिक का जीवन बेहतर होगा। सही मायने में पूर्व प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी जहां गरीबी हटाओ के नारे तक सीमित रह गईं, वहीं प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कल्याणकारी राज्य की अवधारणा को भी चरितार्थ किया है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जब कहते हैं कि सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास तो यह केंद्र और राज्यों की सरकारों के लिए जनभागीदारी के एक मंत्र की तरह है। भगवान रामलला की जन्मभूमि अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के ऐतिहासिक निर्णय और उसके बाद भव्य राम मंदिर बनाए जाने के पीछे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी पर देशवासियों का वह भरोसा था, जो उन्हें सामाजिक समरसता के एक अद्वितीय नायक के रूप में स्थापित करती है

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जब कहते हैं कि सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास तो यह केंद्र और राज्यों की सरकारों के लिए जनभागीदारी के एक मंत्र की तरह है। भगवान रामलला की जन्मभूमि अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के ऐतिहासिक निर्णय और उसके बाद भव्य राम मंदिर बनाए जाने के पीछे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी पर देशवासियों का वह भरोसा था, जो उन्हें सामाजिक समरसता के एक अद्वितीय नायक के रूप में स्थापित करती है। उनके नेतृत्व में देश आर्थिक और सामाजिक ही नहीं सांस्कृतिक पुनर्जागरण के उस दौर से गुजर रहा है, जिसकी संचित निधि भावी पीढ़ियों के आध्यात्मिक व सर्वांगीण उन्नति का मार्ग प्रशस्त करेगी। भयानक त्रासदी से गुजरे पवित्र केदारनाथ से लेकर प्रयागराज, वाराणसी, अयोध्या समेत अनेक धार्मिक स्थल देश ही नहीं विश्व को सांस्कृतिक प्रकाश स्तंभ की तरह जीवन का मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं। सांस्कृतिक पर्यटन स्थलों के विकास ने स्थानीय समाज को रोजगार के नये अवसर भी प्रदान किए हैं। विश्व जब अपनी उपभोक्तावादी प्रवृत्ति की वजह से जलवायु संकट की गंभीर चुनौती से जूझ रही है, तब भारत पर्यावरणीय व समावेशी विकास का केंद्र बनकर उभरा है, इसके पीछे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की 'कृण्वन्तो विश्वमार्यम्' का वह दर्शन है जिसे उन्होंने अपने सार्वजनिक जीवन का अधिष्ठान बनाया है। उम्र के आठवें दशक में भी विश्व के सर्वाधिक लोकप्रिय नेता प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की ऊर्जा व जनकल्याण के प्रति निष्ठा उन्हें देश का सच्चा प्रधानसेवक बनाती है। ■

(लेखक उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री हैं)

प्रधानमंत्री ने अरुणाचल प्रदेश में 5,100 करोड़ रुपये से अधिक लागत के विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास और उद्घाटन किया

अरुणाचल प्रदेश भारत का गौरव है: नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 22 सितंबर को अरुणाचल प्रदेश के ईटानगर में 5,100 करोड़ रुपये से अधिक लागत के विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास और उद्घाटन किया। इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए उन्होंने सर्वशक्तिमान डोनयी पोलो के प्रति श्रद्धा व्यक्त की और सभी पर कृपा की प्रार्थना की।

प्रधानमंत्री ने कहा कि हेलीपैड से मैदान तक की यात्रा, मार्ग में अनगिनत लोगों से मिलना और बच्चों व युवाओं को राष्ट्रीय ध्वज थामे देखना, इन सभी ने तथा अरुणाचल प्रदेश के गर्मजोशी भरे आतिथ्य ने मुझे गौरवान्वित कर दिया। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि अरुणाचल न केवल उगते सूरज की धरती है, बल्कि देशभक्ति की भी भूमि है।

श्री मोदी ने राज्य के प्रति अपना गहरा लगाव प्रदर्शित करते हुए कहा कि हर यात्रा उन्हें अपार प्रसन्नता देती है और लोगों के साथ बिताया हर पल यादगार होता है। उन्होंने अपने प्रति दिखाए गए प्यार और स्नेह को एक बड़ा सम्मान बताया। प्रधानमंत्री ने इस पवित्र भूमि को नमन करते हुए कहा, "तवांग मठ से लेकर नामसाई के गोल्डन पैगोडा तक अरुणाचल प्रदेश शांति और संस्कृति के संगम का प्रतिनिधित्व करता है।" उन्होंने इस पवित्र भूमि को भारत माता का गौरव बताया।

श्री मोदी ने कहा कि 2014 में राष्ट्र की सेवा का अवसर मिलने के बाद उन्होंने देश को पिछली सरकार की मानसिकता से मुक्त करने का संकल्प लिया। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि उनकी सरकार की मार्गदर्शक प्रेरणा किसी राज्य में वोटों या सीटों की संख्या नहीं, बल्कि 'राष्ट्र प्रथम' का सिद्धांत है। श्री मोदी ने सरकार के मूल मंत्र 'नागरिक देवोभव' को दोहराया।

उन्होंने इस बात को रेखांकित किया कि विपक्ष के शासन के दौरान उपेक्षित रहा पूर्वोत्तर 2014 के बाद विकास प्राथमिकताओं का केंद्र बन गया। क्षेत्र के विकास के लिए बजट कई गुना बढ़ा दिया गया और अंतिम छोर तक कनेक्टिविटी और वितरण को हमारे प्रशासन की पहचान बना दिया गया।

श्री मोदी ने 70 से अधिक बार और केंद्रीय मंत्रियों ने 800 से अधिक बार पूर्वोत्तर का किया दौरा

श्री मोदी ने इस बात पर बल दिया कि पिछली सरकार के कार्यकाल में केंद्रीय मंत्री दो-तीन महीने में सिर्फ़ एक बार ही पूर्वोत्तर का दौरा करते थे। उन्होंने कहा कि इसके विपरीत हमारी सरकार में केंद्रीय मंत्रियों ने 800 से अधिक बार पूर्वोत्तर का दौरा किया है। श्री मोदी ने कहा कि ये दौरे प्रतीकात्मक नहीं हैं; हमारे केन्द्रीय मंत्री रात भर रुकने और क्षेत्र के साथ सार्थक संवाद करने का प्रयास करते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि वे स्वयं 70 से अधिक बार पूर्वोत्तर का दौरा कर चुके हैं।

श्री मोदी ने इस बात पर ज़ोर देते हुए कि पूर्वोत्तर के आठ राज्य अष्टलक्ष्मी के रूप में पूजनीय हैं, कहा कि इसलिए इन्हें विकास की यात्रा में पीछे नहीं छोड़ा जा सकता। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार क्षेत्र की प्रगति के लिए पर्याप्त धनराशि आवंटित कर रही है। एक उदाहरण देते हुए श्री मोदी ने बताया कि केंद्र द्वारा एकत्र किए गए करों का एक हिस्सा राज्यों को वितरित किया जाता है। पिछली सरकार के दौरान अरुणाचल प्रदेश को दस वर्षों में केंद्रीय करों से केवल 6,000 करोड़ रुपये मिले थे। श्री मोदी ने कहा कि इसके विपरीत हमारी सरकार के तहत अरुणाचल को इसी अवधि में 16 गुना अधिक - एक लाख करोड़ रुपये से अधिक प्राप्त हुए हैं - उन्होंने स्पष्ट किया कि यह आंकड़ा केवल कर हिस्सेदारी से संबंधित है और इसमें राज्य में कार्यान्वित की जा रही विभिन्न योजनाओं और प्रमुख अवसंरचना परियोजनाओं के तहत अतिरिक्त व्यय शामिल नहीं है। प्रधानमंत्री ने कहा कि यही कारण है कि अरुणाचल में आज इतना व्यापक और तेज़ विकास दिख रहा है। ■

प्रधानमंत्री ने बिहार में लगभग 40,000 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का शिलान्यास और लोकार्पण किया

'अब पूर्णिया देश के एविएशन मैप पर आ गया है'

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 15 सितंबर को बिहार के पूर्णिया जिले में लगभग 40,000 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का शिलान्यास और लोकार्पण किया। उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने सभी का हार्दिक अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि पूर्णिया मां पूरण देवी, भक्त प्रह्लाद और महर्षि मेंही बाबा की भूमि है। श्री मोदी ने इस बात पर प्रकाश डाला कि इस धरती ने फणीश्वरनाथ रेणु और सतीनाथ भादुड़ी जैसे साहित्यकारों को जन्म दिया है।

बिहार के लिए लगभग 40,000 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं के लोकार्पण तथा शिलान्यास की घोषणा करते हुए श्री मोदी ने इस बात पर ज़ोर दिया कि रेलवे, हवाई अड्डे, बिजली और पानी के क्षेत्रों से जुड़ी ये परियोजनाएं सीमांचल की आकांक्षाओं को पूरा करने का एक माध्यम बनेंगी। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 40,000 से ज़्यादा लाभार्थियों को पक्का आवास मिला है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज इन 40,000 परिवारों के जीवन में एक नई शुरुआत हुई है। उन्होंने कहा कि धनतेरस, दिवाली और छठ पूजा से पहले पक्के घर में गृहप्रवेश बड़े सौभाग्य से होता है।

गरीबों के लिए 4 करोड़ से ज़्यादा पक्के घर

श्री मोदी ने कहा कि आज का यह अवसर उनके बेघर भाई-बहनों को यह भरोसा दिलाने का भी है कि एक दिन उन्हें भी पक्का घर मिलेगा। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि पिछले 11 वर्षों के दौरान उनकी सरकार ने गरीबों के लिए 4 करोड़ से ज़्यादा पक्के घर बनाए और उपलब्ध कराए हैं। उन्होंने आगे कहा कि सरकार अब 3 करोड़ नए घर बनाने की दिशा में काम कर रही है। श्री मोदी ने कहा कि जब तक हर गरीब नागरिक को पक्का घर नहीं मिल जाता, मोदी न रुकेंगे, न थमेंगे।

श्री मोदी ने कहा कि आज सर एम. विश्वेश्वरैया जी की याद में हम इंजीनियर्स डे मनाते हैं। एक विकसित भारत और एक विकसित बिहार के निर्माण में इंजीनियरों की बहुत बड़ी भूमिका है। उन्होंने देश भर के सभी इंजीनियरों को बधाई और शुभकामनाएं दीं। श्री मोदी ने इस बात पर प्रकाश डाला कि इंजीनियरों का परिश्रम और उनका कौशल आज के कार्यक्रम में भी स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। उन्होंने कहा कि पूर्णिया हवाई अड्डे का टर्मिनल भवन पांच महीने से भी कम के रिकॉर्ड समय में बनाया गया है। श्री मोदी ने टर्मिनल के उद्घाटन की घोषणा की और पहली व्यावसायिक उड़ान को हरी झंडी दिखाई। प्रधानमंत्री ने ज़ोर देकर कहा, "नए हवाई अड्डे के शुभारंभ के साथ ही पूर्णिया अब देश के एविएशन मैप पर आ गया है।"

भागलपुर में 2400 मेगावाट के थर्मल पॉवर प्रोजेक्ट का शिलान्यास

इस बात पर प्रकाश डालते हुए कि बिहार को बिजली के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के प्रयासों पर काम चल रहा है, प्रधानमंत्री ने बताया कि भागलपुर के पीरपैंती में 2400 मेगावाट के थर्मल पॉवर प्रोजेक्ट का शिलान्यास किया गया है। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि केंद्र और राज्य में उनकी सरकारें किसानों और पशुपालकों की आय बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। श्री मोदी ने कोसी-मेची इंट्रा-स्टेट रिवर लिंक प्रोजेक्ट के पहले चरण के शिलान्यास की भी घोषणा की, जिससे पूर्वी कोसी मुख्य नहर का विस्तार होगा। इस विस्तार से लाखों हेक्टेयर भूमि में सिंचाई की सुविधा प्राप्त होगी और बाढ़ की चुनौती से निपटने में भी मदद मिलेगी।

श्री मोदी ने कहा, "मैंने बिहार के लोगों से राष्ट्रीय मखाना बोर्ड के गठन का वादा किया था। उन्होंने घोषणा की कि केंद्र सरकार ने कल ही इसकी स्थापना की अधिसूचना जारी कर दी है।" उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि यह बोर्ड मखाना किसानों के लिए बेहतर मूल्य सुनिश्चित करने और इस क्षेत्र में प्रौद्योगिकी के उपयोग को बढ़ाने के लिए निरंतर काम करेगा। ■

प्रदेश अंधकार से निकलकर उजाले की ओर बढ़ रहा है: जगत प्रकाश नड्डा

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 14 सितंबर, 2025 को आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में 'सारध्यम जनसभा' को संबोधित करते हुए एनडीए के कार्यकाल में आंध्र प्रदेश में हुए अभूतपूर्व विकास कार्यों का उल्लेख किया। श्री नड्डा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में करोड़ों कार्यकर्ताओं की मेहनत से जनता की सेवा में निरंतर जुटी हुई है और देश को तीव्र गति से आगे बढ़ाने का काम कर रही है। इस दौरान मंच पर भाजपा के राष्ट्रीय सह महामंत्री (संगठन) श्री शिव प्रकाश, प्रदेश अध्यक्ष श्री पीवीएन माधव, केन्द्रीय मंत्री श्री भूपति राजू श्रीनिवास वर्मा एवं अन्य नेतागण उपस्थित रहे।

श्री नड्डा ने कहा कि पिछले 11 सालों में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राजनीति का एक नया अध्याय शुरू हुआ है। 'पॉलिटिक्स ऑफ परफॉर्मेंस, पॉलिटिक्स ऑफ रिस्पॉन्सिबल गवर्नमेंट, रिस्पॉन्सिव गवर्नमेंट, पीपल केयरिंग गवर्नमेंट और अकाउंटेबल गवर्नमेंट' की राजनीति और संस्कृति अगर किसी ने भारत की राजनीति में स्थापित की है तो वो प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने की है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में भारत किसी भी क्षेत्र में विकास की कोई कसर नहीं छोड़ रहा है। आंध्र प्रदेश भी इस प्रगति यात्रा में पीछे नहीं है। श्री चंद्रबाबू नायडू के नेतृत्व में आंध्र प्रदेश ने भी उल्लेखनीय तरक्की की है। आज आंध्र प्रदेश में नेशनल हाईवे दोगुने हो चुके हैं। अर्बन डेवलपमेंट के अंतर्गत अमृत योजना में 3,500 करोड़ रुपए खर्च किए गए हैं। स्मार्ट सिटी परियोजनाओं में काकीनाडा, तिरुपति और अमरावती में करोड़ों रुपए खर्च किए गए हैं। पोर्ट डेवलपमेंट पर 2,500 करोड़ रुपए की लागत से 14 पोर्ट प्रोजेक्ट्स पर काम चल रहा है और सागरमाला के अंतर्गत एक आधुनिक फिशिंग हार्बर विकसित हो रहा है। इसके अलावा, आंध्र प्रदेश को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए सरकार ने आईआईटी, नया आईआईएसईआर, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, एम्स, एनआईटी, सेंट्रल यूनिवर्सिटी, एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी और सीपेक जैसी अनेक शैक्षणिक एवं शोध संस्थानों का उपहार दिया है। ये सारी उपलब्धियां बताती हैं कि भारत और आंध्र प्रदेश, दोनों ने मिलकर विकास की एक नई गाथा लिखी है।

उन्होंने कहा कि रेलवे के क्षेत्र में भी आंध्र प्रदेश पीछे नहीं रहा है। अमृत भारत स्टेशन योजना और वंदे भारत ट्रेनों के अंतर्गत यहां नए-नए रूट्स पर वंदे भारत ट्रेनें चलाई जा रही हैं, जो विकास की रफ्तार को और बढ़ा रही हैं। एविएशन सेक्टर में देखें तो विशाखापट्टनम, विजयवाड़ा और तिरुपति एयरपोर्ट्स पर 625 करोड़ रुपए की लागत से कार्य किया जा रहा है। इसके साथ ही, ओरवाकल एयरपोर्ट और कुरनूल एयरपोर्ट पर भी तेजी से काम चल रहा है। हेल्थ सेक्टर में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में बड़े बदलाव हुए हैं। आंध्र प्रदेश को 17 नए मेडिकल कॉलेज दिए गए हैं और लगभग 1.20 करोड़ लोगों को आयुष्मान भारत योजना से जोड़ा गया है। राजधानी अमरावती के विकास के लिए भी केंद्र सरकार ने 15,000 करोड़ रुपए आवंटित किए हैं, जिनमें से 11,000 करोड़ रुपए आंध्र प्रदेश को उसके हक के तौर पर दिलाए गए हैं। साउथ कोस्टल रेलवे ज़ोन की स्थापना हुई है और कई महत्वपूर्ण स्टेशन अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत विकसित किए जा रहे हैं। इसके अलावा, आंध्र प्रदेश को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए कई बड़े प्रोजेक्ट्स को मंज़ूरी दी गई है। लगभग 1,85,000 करोड़ रुपए की लागत से एनजीएल ग्रीन हाइड्रोजन प्रोजेक्ट स्वीकृत हुआ है। नाकापल्ली में बल्क ड्रग पार्क के लिए 2,000 करोड़ रुपए का सैंक्शन दिया गया है और सबसे बड़ी उपलब्धि यह है कि यूनियन कैबिनेट ने हाल ही में 468 करोड़ रुपए की लागत से सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटी की स्थापना के लिए आंध्र प्रदेश को स्वीकृति दी है।

> **प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में भारत किसी भी क्षेत्र में विकास की कोई कसर नहीं छोड़ रहा है। आंध्र प्रदेश भी इस प्रगति यात्रा में पीछे नहीं है। श्री चंद्रबाबू नायडू के नेतृत्व में आंध्र प्रदेश ने भी उल्लेखनीय तरक्की की है**

श्री नड्डा ने कहा कि हमारे कार्यकर्ता को गांव-गांव, घर-घर यह संदेश पहुंचाना है कि जब वाईएसआरसीपी की सरकार थी, तब आंध्र प्रदेश अंधकार में डूबा हुआ था। वह सरकार नॉन-परफॉर्मेंस की सरकार थी, नॉन-गवर्नेंस की सरकार थी और भ्रष्टाचार से भरी हुई सरकार थी। लेकिन आज, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में जब एनडीए की सरकार चल रही है, तो प्रदेश अंधकार से निकलकर उजाले की ओर बढ़ रहा है। जनता का आशीर्वाद एनडीए को मिला है, मिलता रहेगा और हमें विश्वास है कि आने वाले समय में हम नई सरकार बनाकर आंध्र प्रदेश की तेलुगु जनता की सेवा में और भी समर्पण के साथ लगेंगे। ■

प्रधानमंत्री ने मिजोरम में 9,000 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों का शिलान्यास और उद्घाटन किया

8,070 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली बैराबी-सैरांग नई रेल लाइन का शुभारंभ; यह मिजोरम की राजधानी को पहली बार भारतीय रेल नेटवर्क से जोड़ेगी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 13 सितंबर को मिजोरम के आइजोल में 9000 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों का शिलान्यास और उद्घाटन किया। इन परियोजनाओं से रेलवे, सड़क मार्ग, ऊर्जा, खेल सहित कई क्षेत्र लाभान्वित होंगे। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए श्री मोदी ने कहा कि चाहे स्वतंत्रता आंदोलन हो या राष्ट्र निर्माण, मिजोरम के लोग योगदान देने के लिए हमेशा आगे आए हैं। उन्होंने कहा कि लालनु रोपुइलियानी और पासल्था खुआंगचेरा जैसी विभूतियों के आदर्श राष्ट्र को प्रेरित करते रहते हैं।

इस दिन को देश, विशेषकर मिजोरम के लोगों के लिए ऐतिहासिक बताते हुए श्री मोदी ने कहा, "आज से आइजोल भारत के रेलवे मानचित्र पर होगा।" अतीत को याद करते हुए प्रधानमंत्री ने बताया कि कुछ वर्ष पहले उन्हें आइजोल रेलवे लाइन की नींव रखने का अवसर मिला था। उन्होंने इस रेलवे लाइन को देश को समर्पित किया। श्री मोदी ने इस बात पर भी जोर दिया कि दुर्गम क्षेत्र सहित कई चुनौतियों के बावजूद बैराबी-सैरांग रेल लाइन अब एक वास्तविकता बन गई है।

उल्लेखनीय है कि चुनौतीपूर्ण पहाड़ी क्षेत्र में निर्मित इस रेल लाइन परियोजना में जटिल भौगोलिक परिस्थितियों में 45 सुरंगें बनाई गई हैं। इसके अलावा इसमें 55 बड़े और 88 छोटे पुल भी शामिल हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि लोग और देश हमेशा मन से सीधे जुड़े रहे हैं। श्री मोदी ने यह भी कहा की कि पहली बार मिज़ोरम का सैरांग राजधानी एक्सप्रेस द्वारा दिल्ली से सीधे जुड़ेगा। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ एक रेल संपर्क नहीं है, बल्कि परिवर्तन की जीवन रेखा है और यह मिज़ोरम के लोगों के जीवन और आजीविका में क्रांतिकारी बदलाव लाएगी।

श्री मोदी ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में पूर्वोत्तर के कई राज्य पहली बार भारत के रेल मानचित्र पर शामिल हुए हैं। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि भारत सरकार ने सभी प्रकार की कनेक्टिविटी—ग्रामीण सड़कें और राजमार्ग, मोबाइल और इंटरनेट कनेक्शन, बिजली, नल से जल और एलपीजी कनेक्शन को मजबूत करने के लिए अथक प्रयास किए हैं। उन्होंने यह भी घोषणा की कि मिजोरम को हवाई यात्रा के लिए उड़ान योजना का भी लाभ मिलेगा और बताया कि इस क्षेत्र में जल्द ही हेलीकॉप्टर सेवाएं शुरू होंगी। श्री मोदी ने कहा कि इससे मिजोरम के दूरदराज के इलाकों तक पहुंच में काफी सुधार होगा।

पूर्वोत्तर क्षेत्र स्टार्ट-अप का एक प्रमुख केंद्र

श्री मोदी ने बताया कि मिजोरम में 11 एकलव्य आवासीय विद्यालय पहले से ही शुरू किए जा चुके हैं और 6 और विद्यालय शुरू करने का कार्य चल रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि पूर्वोत्तर क्षेत्र स्टार्ट-अप के एक प्रमुख केंद्र के रूप में उभर रहा है। उन्होंने इस बात पर खुशी जताई कि इस क्षेत्र में वर्तमान में लगभग 4,500 स्टार्ट-अप और 25 इनक्यूबेटर चल रहे हैं।

श्री मोदी ने इस बात पर जोर देते हुए कहा कि सरकार जीवन और व्यापार में सुगमता को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। हाल ही में अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधार लागू किए गए हैं और इसका मतलब है कि कई उत्पादों पर कर कम होंगे, जिससे परिवारों का जीवन आसान होगा। उन्होंने याद दिलाया कि 2014 से पहले टूथपेस्ट, साबुन और तेल जैसी रोजमर्रा की जरूरी चीजों पर भी 27 प्रतिशत कर लगता था, जबकि आज इन वस्तुओं पर केवल 5 प्रतिशत जीएसटी लगता है। ■

'भाजपा को जानें' पहल के तहत

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष ने नई दिल्ली में मॉरीशस के प्रधानमंत्री से मुलाकात की

'भाजपा को जानें' पहल के तहत भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 16 सितंबर, 2025 को नई दिल्ली में मॉरीशस के प्रधानमंत्री महामहिम डॉ. नवीनचंद्र रामगुलाम से मुलाकात की।

प्रधानमंत्री श्री रामगुलाम का स्वागत करते हुए श्री नड्डा ने भारत और मॉरीशस के बीच स्थायी सांस्कृतिक एवं सभ्यतागत संबंधों पर ज़ोर दिया। उन्होंने कहा कि यह यात्रा प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की इसी वर्ष आयोजित मॉरीशस यात्रा के दौरान हुए निर्णयों को और आगे बढ़ाएगी, जिसके बाद हम द्विपक्षीय संबंधों से आगे बढ़ते हुए अब रणनीतिक साझेदारी की ओर जा रहे हैं।

श्री नड्डा ने मॉरीशस में आयुष उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना और नए एसएसआर राष्ट्रीय अस्पताल के लिए भारत के सहयोग सहित हाल ही में द्विपक्षीय सहयोग घोषित पहलों का स्वागत किया। उन्होंने मॉरीशस में पहले विदेशी जन औषधि केंद्र के शुभारंभ की सराहना की।

श्री नड्डा ने भारतीय जनता पार्टी के संगठनात्मक ढांचे, दृष्टिकोण एवं 'भाजपा को जानें' पहल से उन्हें अवगत करवाया। पार्टी-से-पार्टी संबंधों को और मज़बूत करने का प्रस्ताव रखते हुए श्री नड्डा ने भाजपा और मॉरीशस की लेबर पार्टी के बीच प्रतिनिधिमंडलों के आदान-प्रदान का प्रस्ताव रखा।

दोनों नेताओं ने स्वास्थ्य सेवा और फार्मास्यूटिकल्स के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई और भारत-मॉरीशस साझेदारी में विश्वास और मैत्री को रेखांकित किया।

श्री नड्डा के साथ इस बैठक में भाजपा के विदेश मामलों के विभाग के प्रभारी डॉ. विजय चौथाईवाले भी थे। ■

प्रधानमंत्री मोदीजी को मिले 1,300 उपहार की उनके जन्मदिन पर ई-नीलामी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को उपहार में मिली 1,300 से ज़्यादा वस्तुओं की 17 सितंबर को ऑनलाइन नीलामी की जाएगी, जिनमें देवी भवानी की एक उत्कृष्ट मूर्ति, अयोध्या राम मंदिर का एक मॉडल और 2024 पैरालंपिक खेलों की खेल संबंधी यादगार चीज़ें शामिल हैं। यह ई-नीलामी 2 अक्टूबर तक जारी रहेगी।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को उपहार स्वरूप दी गई 1,300 से अधिक वस्तुओं को 17 सितंबर को ऑनलाइन नीलामी के लिए रखा गया है, जिनमें देवी भवानी की एक उत्कृष्ट रूप से तैयार की गई मूर्ति, अयोध्या राम मंदिर का एक मॉडल और 2024 पैरालंपिक खेलों की खेल संबंधी यादगार वस्तुएं शामिल हैं।

नीलामी के सातवें संस्करण की शुरुआत प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन के साथ हो रही है। यह ई-नीलामी 2 अक्टूबर तक जारी रहेगी।

संयोगवश, श्री मोदी भारत के एकमात्र प्रधानमंत्री हैं जो नियमित रूप से अपने प्राप्त उपहारों की नीलामी करते रहे हैं और ई-नीलामी से प्राप्त राशि बालिका शिक्षा, गंगा संरक्षण आदि जैसे विभिन्न कार्यों में खर्च की जाती है। ■

बिहार में 15 सितंबर, 2025 को पूर्णिया हवाई अड्डे के नए टर्मिनल भवन का उद्घाटन करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

धार (मध्य प्रदेश) में 17 सितंबर, 2025 को शिलान्यास समारोह के दौरान जनाभिवादन स्वीकार करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

भावनगर (गुजरात) में 20 सितंबर, 2025 को आयोजित भव्य रोड शो के दौरान जनाभिवादन स्वीकार करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

ईटानगर (अरुणाचल प्रदेश) में 22 सितंबर, 2025 को 'जीएसटी बचत उत्सव' प्रदर्शनी का दौरा करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

दरांग (असम) में 14 सितंबर, 2025 को विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

आइजोल (मिजोरम) में 13 सितंबर, 2025 को विभिन्न विकास परियोजनाओं के शिलान्यास एवं उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

कमल संदेश
अब इंटरनेट पर भी उपलब्ध
लॉग इन करें:
www.kamalsandesh.org
राष्ट्रीय विचार की प्रतिनिधि पाक्षिक पत्रिका

@Kamal.Sandesh
@KamalSandesh
kamal.sandesh
KamalSandeshLive

डाकघर: लोदी रोड एचओ., नई दिल्ली "रजिस्टर्ड"
36 पृष्ठ कवर सहित
प्रकाशन तिथि: 06 अक्टूबर, 2025
आर.एन.आई. DELHIN/2006/16953

छायाकार: अजय कुमार सिंह